NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 62 लखनऊ, मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव और गोलीबारी, राम गोपाल मिश्रा की मौत, योगी बोले– माहौल बिगाड़ने वाले बचेंगे नहीं

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश के बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई साम्प्रदायिक हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और लगभग 40 लोग घायल हो गये हैं। घटना के बाद से इलाके में साम्प्रदायिक तनाव व्याप्त है और गुस्साये ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरे इलाके में पुलिस बल की भारी तैनाती की गयी है। बहराइच हिंसा में मारे गये रामगोपाल मिश्रा के

शव को महसी तहसील परिसर में रखकर ग्रामीण विरोध कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि महाराजगंज बाजार में कुछ लोगों द्वारा मूर्ति विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी करने पर दो समुदायों के लोग आमने सामने आ गए थे। गुस्साई भीड़ ने बाजार में तोड़फोड़ की। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रतिमा विसर्जन का कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए और धार्मिक संगठनों से संवाद कर समय पर प्रतिमा विसर्जन कराया जाए। उन्होंने जनता को सुरक्षा की गारंटी देते हुए प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर मौजदूगी सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिनकी लापरवाही से इस प्रकार की घटना घटित हुई, उनकी पहचान की जाए और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।हम आपको बता दें कि रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। बहराइच की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने संवाददाताओं को बताया, ष्महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में तनाव था।

बहराइच हिंसा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया, योगी सरकार पर खड़े किए सवाल

संवाददाता।

लखनऊ सपा प्रमुख ने कहा कि वे जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भाजपा की चाल को समझें, वे नफरत फैलाकर और समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुए हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल खड़े किए है। अखिलेश यादव ने बहराइच में हुए हिंसा को लेकर कहा कि सबसे पहले, मैं अपील करना चाहूंगा कि सभी संबंधित पक्षों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि प्रशासन, सरकार और मीडिया को पता है कि ऐसा क्यों हुआ। सरकार न्याय करे। अखिलेश यादव ने कहा कि जब जुलूस शुरू हुआ तो प्रशासन को उसके रूट, रूट पर पर्याप्त सुरक्षा, पर्याप्त पुलिस तैनाती का ध्यान रखना चाहिए था। अगर मैं बताऊं कि उन लाउडस्पीकरों पर क्या बज रहा था तो सरकार कुछ और ही कहेगी। लेकिन प्रशासन को कम से कम इस बात पर ध्यान देना चाहिए था कि लाउडस्पीकर पर क्या बजाया जा रहा है, क्या वे किसी का

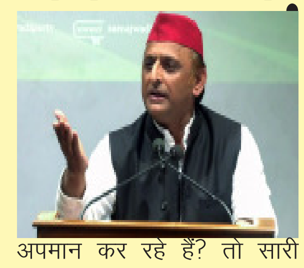

अपमान कर रहे हैं? तो सारी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना घटी। बहराइच और अन्य जगहों पर जो कुछ हो रहा है उसके लिए सरकार, प्रशासन और उनकी वोट बैंक की राजनीति जिम्मेदार है। सपा प्रमुख ने कहा कि वे जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भाजपा की चाल को समझें, वे नफरत फैलाकर और समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। बहराइच जिले के एक गांव में रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बहराइच की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने रविवार रात संवाददाताओं को बताया, महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में तनाव था। जब एक जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से गुजर रहा था ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी।

नई दिल्ली आतिशी ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से आज मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं।'' दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात के बाद उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और उनकी सरकार के बीच 'पूर्ण सहयोगात्मक संबंध' रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'

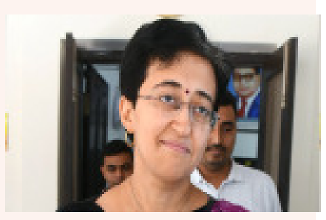

पर मुलाकात की जानकारी दी। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया गया। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद आतिशी उनकी उत्तराधिकारी बनीं। आतिशी ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से आज मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं।'' दिल्ली की आप सरकार का केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार एवं उप राज्यपाल कार्यालय से शासन और सेवाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध है।

जनता का नेता बनकर शिवसेना से बगावत करके निर्दलीय चुनाव जीतने वाला नेता

एजेंसी।

महाराष्ट 2019 में हुए अंतिम विधानसभा चुनाव में चंद्रपुर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार किशोर गजानन जोरगेवार ने भारतीय जनता पार्टी के लगभग 24 साल के किले को ध्वस्त करते हुए जीत दर्ज की थी। उन्होंने नानाजी शामकुले को परास्त करके जीत हासिल की थी। जो 10 साल तक इस सीट से विधायक रहे थे।महाराष्ट्र में 2019 में हुए अंतिम विधानसभा चुनाव में चंद्रपुर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार किशोर गजानन जोरगेवार ने भारतीय जनता पार्टी के लगभग 24 साल के किले को ध्वस्त करते हुए

जीत दर्ज की थी। उन्होंने नानाजी शामकुले को परास्त करके जीत हासिल की थी। जो 10 साल तक इस सीट से विधायक रहे थे। किशोर गजानन जोरगेवार का जन्म 17 दिसंबर 1968 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में हुआ था। इससे पहले वे शिवसेना से जुड़े थे। वे यंग चंदा ब्रिगेड, चंद्रपुर और विदर्भ बुरुड समाज के अध्यक्ष भी हैं । उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा चंद्रपुर से ही पूरी की। वे चंद्रपुर जिले के आम लोगों के लिए बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत देने जैसे विभिन्न मुद्दों पर 14 साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। वे शिक्षा, रोजगार, शहर के विकास और अन्य सभी आम समस्याओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। चंद्रपुर के लोगों ने उनके सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें ष्जनता का नेताष भी कहा है। जिले की राजनीति और सामाजिक ढांचे में उनका व्यापक अनुभव है। वे श्री कन्याका नगरी सहकारी बैंक के बोर्ड निदेशक रह चुके हैं।

वन नेशन वन इलेक्शन के बाद मोदी सरकार के एक और फैसले को चुनौती, केरल विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

एजेंसी।

केरल अब्दुरहीमन ने तर्क दिया कि यह विधेयक वक्फ मामलों के संबंध में राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है, प्रभावी रूप से वक्फ बोर्डों और न्यायाधिकरणों के अधिकार को कमजोर करता है, जिन्हें वक्फ संपत्तियों की देखरेख का काम सौंपा जाता है। केरल विधानसभा ने केंद्र सरकार से विवादास्पद 2024 वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। वक्फ, हज यात्रा और खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान ने प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में कहा गया कि यह विधेयक संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों को कमजोर करता है। अब्दुरहीमन ने तर्क दिया कि यह विधेयक वक्फ मामलों के संबंध में राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है, प्रभावी रूप से वक्फ बोर्डों और न्यायाधिकरणों के अधिकार को कमजोर करता है, जिन्हें वक्फ संपत्तियों की देखरेख का काम सौंपा जाता है।

मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ कड़ाई से जारी रहेगा अभियान– अमित शाह

एजेंसी।

दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त करने के सफल अभियानों के लिए बधाई देता हूं, जिसमें हाल में गुजरात पुलिस के सहयोग से 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद करना भी शामिल है।'' गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त होने के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ कार्रवाई बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगी। शाह ने कहा कि मोदी सरकार

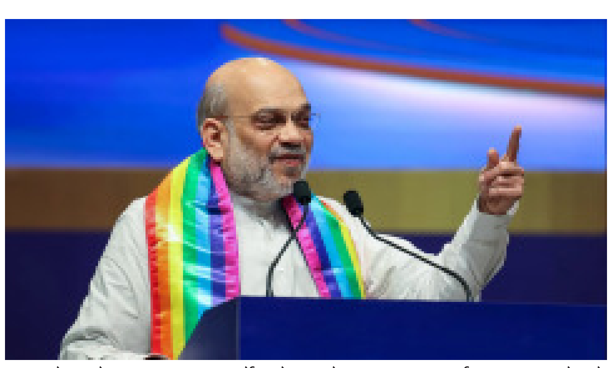

युवाओं को मादक पदार्थों के संकट से बचाकर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''मैं दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त करने के सफल अभियानों के लिए बधाई देता हूं, जिसमें हाल में गुजरात पुलिस के सहयोग से 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद करना भी शामिल है।''शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के अभियान जारी रहेगा।'' दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में रविवार को गुजरात के अंकलेश्वर से 5,000 करोड़ रुपये मूल्य की 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। इसके साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने दिल्ली और गुजरात में एक पखवाड़े के अंदर 13,000 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चुनाव के लिए जल्द बैठकें करेगी भाजपा –रवींद्र रैना

, tlhA

जम्मू । भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने यहां नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों को सम्मानित किया और कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में पार्टी नेताओं की बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष का चुनाव किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ को पार्टी द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जम्मू । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने यहां नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों को सम्मानित किया और कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में पार्टी नेताओं की बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष का चुनाव किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ को पार्टी द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर नवनिर्वाचित विधायकों और अन्य नेताओं के साथ बैठक के बाद आगे की कार्रवाई के लिए केंद्रीय नेताओं को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। रैना के नेतृत्व में कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने नवनिर्वाचित विधायकों को चुनरी ओढ़ाकर और पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। विधायकों को सम्मानित करने वाले नेताओं में पूर्व उप मुख्यमंत्री निर्मल सिंह, सांसद जुगल किशोर और पार्टी की जम्मू कश्मीर इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष सतपाल शर्मा शामिल रहे। रैना ने कहा, ''आने वाले दिनों में भाजपा केंद्रीय पर्यवेक्षकों प्रह्लाद जोशी और तरुण चुघ के नेतृत्व में नेताओं और निर्वाचित सदस्यों की बैठकें करेगी। जम्मू कश्मीर में पार्टी की भविष्य की रणनीति पर भी चर्चा होगी।'' विधानसभा में विपक्ष

के नेता के चुनाव पर उन्होंने कहा कि जल्द यह प्रक्रिया शुरू होगी। चुघ ने संवाददाताओं से कहा, ''संवैधानिक प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।'' रैना ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो गए हैं और राष्ट्रपति शासन हट गया है। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया। मैं सभी विधायकों को बधाई देता हूं।'' केंद्र शासित प्रदेश के लोगों, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद देते हुए रैना ने कहा, ''लोगों ने इस चुनाव में भाजपा को उत्साहपूर्वक वोट दिया ।

दुधवा नेशनल पार्क में भ्रमण के साथ पर्यटक रोचक कहानियों का आनंद ले सकेंगे

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण ईको टूरिज्म स्थल दुधवा नेशनल पार्क में शीघ्र ही भ्रमण के साथ–साथ रोचक कहानियां सुनने का भी मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने इसका पूरा खाका खींच लिया है। नेचर गाइड्स का गुरुवार से प्रशिक्षण शुरू हो गया है। शनिवार, यानी 06 दिनों तक प्रतिदिन 10–10 घंटे ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण में मार्निंग वाक से लेकर शाम तक युवाओं को यहां के नैसर्गिक सौंदर्य, वन्यजीव व अन्य विशेषताओं से परिचित कराया जा रहा है। इसके साथ ही स्टोरी टेलिंग की कला भी सिखाई जा रही है। पर्यटकों को यह सुविधा दुधवा के बाद कतर्निया और पीलीभीत स्थलों पर भी मिलेगी।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य अद्भुत है। यहां पारिस्थिकीय पर्यटन (इको टूरिज्म) की असीम संभावनाएं हैं। मा. मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड का गठन किया गया है। बोर्ड ईको टूरिज्म की संभावनाओं को धरातल पर उतार रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दुधवा, कतर्नियाघाट व पीलीभीत टाइगर रिजर्व आदि स्थलों पर नेचर गाइड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तीन महत्वपूर्ण लाभ हैं। पहला कि स्थानीय युवाओं की स्किल डेवलप होगी। दूसरा कि पर्यटकों को प्रशिक्षित गाइड की सुविधा ... को रोजगार मिलेगा। नेचर गाइड के लिए उम्र सीमा 18 से 35 वर्ष और न्यूनतम शिक्षा इंटर निर्धारित की गई हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड, मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट एमकेआइटीएम और द नेचुरलिस्ट स्कूल द्वारा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। द नेचुरलिस्ट स्कूल आगंतुकों के बीच प्राकृतिक दुनिया के लिए समझ और प्रशंसा पैदा करने में अग्रणी है। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों, पक्षियों, तितलियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संचार कौशल और स्टोरी टेलिंग के बारे में बताया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आपात स्थिति से निपटने, ... की जानकारी दी जाएगी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि नेचर गाइड पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे ज्ञानवर्धक जानकारी, रोचक कहानी और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से पर्यटकों को गंतव्य के इतिहास, पर्यावरण और स्थानीय परंपराओं से गहराई से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि "नेचर गाइड प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक स्थलों में सतत और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के व्यापक मिशन के अनुरूप है। नेचर गाइड का प्रशिक्षण न केवल उनके कौशल को निखारता है बल्कि उन्हें आगंतुकों को प्रकृति के साथ एक स्थायी संबंध बनाने और इसके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने के ...

अमेजन इंडिया के ग्रेट इंडियन फेस्टिवल ने उत्तर प्रदेश में फेस्टिव शापिंग को दिया बढ़ावा'

'लखनऊ(आरएनएस) पूरे भारत में फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी है, ऐसे में अमेजन इंडिया ने उत्ध्तर प्रदेश में खरीदारी में वृद्धि दर्ज की है, जो परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण से प्रेरित है। राज्ध्य त्ध्योहार के उत्ध्सव में डूब चुका है, उपभोक्ध्ता हैंडक्राफ्टेड एथनिक वियर, स्ध्वादिष्ध्ट व्ध्यंजनों, वेलनेस उत्ध्पादों, स्ध्मार्टफोन और अत्ध्याधुनिक इलेक्ध्ट्रॉनिक्ध्स जैसे अद्वितीय उत्ध्पादों को खरीदने के लिए डिजिटल भुगतान को अपना रहे हैं। यह फेस्टिव शॉपिंग न केवल उपभोक्ध्ताओं की विकसित होती प्राथमिकताओं को रेखांकित करता है, बल्कि स्ध्थानीय अर्थव्ध्यवस्ध्था के लिए उत्ध्प्रेरक और एक प्रमुख बाजार के रूप में अमेजन की महत्ध्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है, जो भारतीय दुकानदारों की विविध जरूरतों को पूरा करता है। सौरभ श्रीवास्ध्तव, वाइस प्रेसिडेंट, कैटेगरी, अमेजन इंडिया, ने कहा "इस त्ध्योहारी सीजन में, हम पूरे उत्ध्तर प्रदेश में खरीदारी के पैटर्न में विरासत और आधुनिकता का एक आकर्षक मिश्रण देख रहे हैं। उपभोक्ध्ता उत्ध्साहपूर्वक डिजिटल भुगतान को अपना रहे हैं, एथनिक वियर में उल्ध्लेखनीय 1.5 गुना वृद्धि और कीमती गहनों की बिक्री में 1.7 गुना वृद्धि के साथ ग्राहक अपनी जड़ों से भी जुड़े हुए हैं। इसके अलावा वेलनेस और लाइफस्ध्टाइल अपग्रेड पर भी लोगों का ध्ध्यान पहले से ज्ध्यादा बढ़ा है। हमने लखनऊ में अकेले प्रोटीन पाउडर की बिक्री में 3.5 गुना, सोफा खरीद में 40 गुना और दोपहिया वाहनों की बिक्री में तीन गुना की वृद्धि देखी है, जो राज्ध्य की विकसित होती आकांक्षाओं को दर्शाता है। अमेजन में, हम इस त्ध्योहारी उत्ध्साह को बढ़ावा देने पर गर्व महसूस करते हैं, जिसके लिए हमने व्ध्यापक चयन को तैयार किया है, जो स्ध्थानीय कारोबारियों को सशक्ध्त बनाते हुए हमारे ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करता है।"डिजिटल भुगतान की दिशा में तेजी से बदलावरू प्राइम अर्ली एक्ध्सेस (पीईए) के दौरान, अमेजन प्राइम मेंबर्स के लिए 24 घंटे पहले शॉपिंग विंडो की शुरुआत की गई,

लखनऊ मण्डल में विभिन्न जनपदों के 25 निर्माणाधीन कार्यों हेतु 05 करोड़ 10 लाख 75 हजार रूपये की धनराशि की गयी अवमुक्त

लखनऊ(आरएनएस)। उ0प्र0 सरकार द्वारा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय योजनान्तर्गत लखनऊ मण्डल में विभिन्न जनपदों के 25 चालू कार्यों हेतु रू0 05 करोड़ 10 लाख 75 हजार की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इन 25 चालू कार्यों में जनपद हरदोई के 10, उन्नाव के 06, सीतापुर के 05, खीरी के 03 तथा रायबरेली के 01 कार्य सम्मिलित हैं। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उ०प्र० शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि आवंटित धनराशि का उपयोग परियोजना पर ही मानक व विशिष्टियों के अनुरूप किया जाय तथा मार्गों को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापरक पूर्ण कराकर उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं फोटोग्राफ्स शासन को उपलब्ध कराया जाय।

अरशद वारसी और मेहर विज की बंदा सिंह चौधरीय वफादारी, हार और भारत की आत्मा की लड़ाई की एक दमदार गाथा है।

लखनऊ 1971 के भारत–पाक युद्ध के बाद, एक नई लड़ाई उभरी – जिसने भारत के मूल ढांचे को खतरे में डाल दिया। इन सबमें पंजाब बढ़ते सांप्रदायिक तनाव का केंद्र बन गया, जहाँ हिंदू और सिख समुदाय हिंसा से अलग हो गए, और छाया में छिपे पाकिस्तान की ^ ने कलह की आग को हवा दी। बंदा सिंह चौधरी राजनीतिक उथल–पुथल की एक और कहानी नहीं है ।

वाहन स्वामी घर बैठे इन सेवाओं का लाभ ले सकते है–परिवहन आयुक्त

लखनऊ(आरएनएस)। आमजनमानस को वाहन संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए परिवहन विभाग ने 09 सेवाओं को आधार प्रमाणिकरण के माध्यम से लाइव कर दिया है। इसे वाहन स्वामियों को भागदौड़ की परेशानी से छुटकारा मिलेगा और घर बैठे विभिन्न सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन मंत्री ने विभाग को इन सुविधाओं को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने आज दी। उन्होंने बताया कि इन 09 सेवाओं में डुप्लिकेट आर०सी०, विशेष परमिट, आर०सी० विवरण, डुप्लिकेट परमिट, डुप्लिकेट फिटनेस सर्टिफिकेट, डुप्लिकेट डीएल, डीएल में पता परिवर्तन, डीएल प्रतिस्थापन एवं डीएल एक्सट्रैक्ट को आधार प्रमाणिकरण के माध्यम से लाइव कर दिया गया है।

दुग्ध उत्पादन 3.5 लाख किग्रा0 प्रतिदिन किया जाए – धर्मपाल सिंह

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दुग्ध उत्पादन 3.5 लाख किग्रा0 प्रतिदिन किया जाए और तरल दुग्ध बिक्री 02 लाख ली0 प्रतिदिन किये जाने के प्रयास किये जाए। प्रत्येक दुग्ध संघ कम से कम 05 मिल्क बूथ बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करे। दुग्ध संघों में कार्यरत डेयरी प्लांट की क्षमता उपयोगिता को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए। दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों के गत् एक सप्ताह में क्रियान्वयन की समीक्षा की। सिंह ने कहा कि दुग्ध विकास विभाग का लक्ष्य प्रदेश की जनता को शुद्ध दूध उपलब्ध कराना है और दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों, पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का नियमित रूप से भुगतान कराना प्राथमिकता है। सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बंद पड़ी दुग्ध समितियों को पुनः चालू किये जाने और वर्तमान में संचालित समितियां किसी भी कारण से बंद न किये जाने पर विशेष बल दिया। सिंह ने कहा कि नन्द बाबा एवं गोकुल पुरस्कार के वित्तीय वर्ष 2023–24 के लाभार्थियों की चयन सूची तैयार कर उन्हें पुरस्कृत करने की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। दुग्ध विकास मंत्री ने कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज डेयरी प्लांट का संचालन एनडीडीबी को दिये जाने के संबंध में हुई प्रगति की भी समीक्षा की और कहा कि जो भी औपचारिकताएं शेष या अपूर्ण हैं, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई समितियों के गठन एवं पुनर्गठन का लक्ष्य निर्धारण किया गया है, उसे सुदृढ़ कार्ययोजना बनाकर शीघ्र पूरा किया जाए। सिंह ने कहा कि पराग के उत्पादों की मार्केटिंग कर विशेष ध्यान दिया जाए। निर्देश दिये कि किसानों एवं पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जाए और विलम्ब न होने पाये। वर्तमान भुगतान के साथ ही बकाया धनराशि का भी भुगतान कर भुगतान प्रक्रिया को नियमित किया जाए। अवगत कराया गया कि वर्तमान में 18108 निबंधित समितियां हैं, जिसके सापेक्ष 7094 कार्यरत समितियां हैं। प्रत्येक दुग्ध संघ द्वारा 02 दुग्ध समितियों का भ्रमण एवं अनुश्रवण किया जा रहा है। गत् एक माह में 775 कार्यरत एवं 459 अकार्यरत दुग्ध समितियां कुल 1234 दुग्ध समितियों में भ्रमण किया गया। 169 अकार्यरत समितियों को कार्यरत किया गया।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के0 रवीन्द्र नायक ने मंत्री जी को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनसे प्राप्त दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन दुग्ध संघों द्वारा अभी भी दुग्ध मूल्य भुगतान में उदासीनता बरती जा रही है उनके द्वारा भुगतान कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को समितियों की संख्या बढ़ाये जाने के संबंध में तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में गठनध्पुनर्गठन के सापेक्ष संचालित दुग्ध समितियां, दुग्ध समितियों द्वारा भ्रमण, डेयरी प्लांट की उपयोगिता क्षमता, दुग्ध उपार्जन, तरल दुग्ध बिक्री, बकाया दुग्ध मूल्य भुगतान आदि की गहन समीक्षा की गयी। बैठक में पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक आनंद कुमार सिंह, दुग्ध आयुक्त राकेश कुमार मिश्रा, पीसीडीएफ के डा0 मनोज तिवारी, मती नयन तारा सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए

गौजनित उत्पादों के लिए महिला स्वयं सहायता समूह की मदद ली जाए

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि प्रदेश की गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि गोशालाओं के गोवंशों के भरण पोषण के लिए सरकार पर निर्भरता धीरे–धीरे कम हो सके। गोआश्रय स्थलों में गौजन्य पदार्थों के सदुपयोग से जैविक खाद, गोबर के गमले, गौकास्ट, जैविक कीटनाटक, गोनाइल एवं अन्य उत्पादों को बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर महिला स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए, इससे जहां रोजगार का सृजन होगा, वहीं गौजन्य निर्मित उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा, जो प्रकृति एवं पर्यावरण के भी अनुकूल होगा।

पशुधन विकास मंत्री ने आज यहां विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में प्रदेश के गौ आश्रय स्थलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि प्रदेश स्तर के अधिकारी अनिवार्य रूप से माह में एक बार गौआश्रयस्थल पर जाए और गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि, भूसा, चोकर, पानी, प्रकाश एवं स्वच्छता की व्यवस्था सुनिश्चित करायें और निरीक्षण आख्या शासन को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि मोबाइल वेटीनरी यूनिट के माध्यम से गोआश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण भी नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाए। पशुधन मंत्री ने कहा कि गोआश्रय स्थलों में एकत्रित गोबर तथा गोबर की खाद को किसानों को देकर इसके बदले पराली तथा अन्य हरा चारा प्राप्त किया जाए। हरा चारा बीज तथा हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। कब्जामुक्त गोचर भूमि पर नेपियर घास तथा अन्य चारा बुआई कराई जाए। चरागाहों का स्थल विकास, बीज प्रबंधन एवं सिंचाई प्रबंधन उचित तरीके से किया जाए एवं अन्य विभागों से भी इसमें सहयोग लिया जाए। सिंह ने कहा कि गोशालाओं में कोई भी गाय भूखी न रहने पाये। इस संबंध में कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

वर्तमान में अब तक प्रदेश के 7604 गोआश्रय स्थलों पर 1210647 निराश्रित गोवंश संरक्षित किये गये हैं। जिन गौ आश्रय स्थलों में अव्यवस्था या गौवंश की देखभाल संबंधी कोई भी शिकायत संज्ञान में आए वहां तत्काल सुधार किया जाए।

बैठक में पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव के0 रवीन्द्र नायक ने मंत्री को विभाग की योजनाओं की अद्तन स्थिति से अवगत कराया और आश्वस्त किया कि उनसे प्राप्त दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जायेगा। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोआश्रय स्थलों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जाए और चारा भूसा पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। बैठक में पशुधन विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र पाण्डेय, पशुपालन विभाग के निदेशक डा0 पी0एन0 सिंह, अपर निदेशक डा0 अरविन्द सिंह, अपर निदेशक डा0 जयकेश कुमार पाण्डेय, एल0डी0बी0 के डॉ नीरज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मातृशक्ति की निगरानी में हो रहे मनरेगा कार्य

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में गाँवों के विकास और प्रगति को लेकर ग्राम्य विकास विभाग लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पूरी तत्परता के साथ पहुंचाया जा रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत महिलाओं के कल्याण के लिए भी कई कदम उठाये गये हैं। विभाग द्वारा महिला मेटों को जोड़ने की प्रकिया जारी है और मनरेगा में महिलाओं की सहभागिता तेजी से बढ़ी है। मनरेगा योजना अंतर्गत 20 या 20 से अधिक श्रमिकों वाले मनरेगा कार्यस्थल पर पर्यवेक्षण हेतु महिला मेट का नियोजन किया जाता है। चयनित महिला मेटों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है। महिला मेटों को प्रशिक्षण विकास खण्ड स्तर पर दिया जाता है।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला मेटों के चयन के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों के क्रम में बड़ी संख्या में महिला मेटों को नियोजित किया गया है। चालू वर्ष में अब तक 66,454 महिला मेटों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं, जिनमें से अब तक 28,383 महिला मेटों को नियोजित किया गया है। प्रदेश में महिलाओ को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाते हुए उनके सशक्तीकरण के लिए सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। मनरेगा योजना के अंतर्गत महिलाओं की सहभागिता को लगातार बढ़ाने का प्रयास जारी है, योजनांतर्गत महिला मेटों को नियोजित करने में उत्तर प्रदेश, देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मनरेगा महिला मेटों को नियोजित करने में देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों में है। उत्तर प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के तहत महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण रोजगार योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी 2019–20 और 2020–21 में 34 प्रतिशत रही, वर्ष 2021–22 में 37 प्रतिशत रही, वर्ष 2022–23 में 38 प्रतिशत रही और वर्ष 2023–24 में बढ़कर औसतन 42.27 प्रतिशत हो गई है, वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में यह औसत बढ़कर करीब 43 प्रतिशत हो गया, जो प्रतिशत में अब तक का सबसे अधिक है। आयुक्त, ग्राम्य विकास उ0प्र0 जी०एस० प्रियदर्शी ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि महिला मेटों के नियोजन में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाये। मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में नियमानुसार महिला मेटों को नियोजित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा में महिलाओ की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

अनाधिकृत रूप से मदिरा की दुकानों के बाहर पीने और पिलाने वालों के विरूद्ध होगी सख्त कार्रवाई

वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 22563.15 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग को फेस्टिवल सीजन में और अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। इस त्योहारी मौसम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा अनाधिकृत रूप से मदिरा की दुकानों के बाहर पीने और पिलाने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये।आबकारी मंत्री ने यह निर्देश आज यहां गन्ना संस्थान में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि माह सितम्बर में 3246.67 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 22563.15 करोड़ रुपये की प्राप्तियॉ हुई है, जबकि इस माह तक गत वर्ष की प्राप्तियॉ 20226.55 करोड़ रुपये थी। उन्होंने राजस्व प्राप्ति में अधिकत्म उपलब्धि प्राप्त करने वाले मिर्जापुर, अयोध्या तथा वाराणसी प्रभार के अधिकारियों की प्रसंशा की और न्यूनत्म उपलब्धि वाले बस्ती, गोरखपुर एवं आजमगढ़ प्रभार के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए आगामी माह में शत–प्रतिशत राजस्व अर्जित करने के निर्देश भी दिये। आबकारी मंत्री ने कहा कि अवैध शराब की तस्करी को रोकने के लिए चण्डीगढ़, हरियाणा और पंजाब बार्डर के पोस्ट को और अधिक सक्रिय किया जाये। किसी भी दशा में अन्य राज्यों से प्रदेश में अवैध मदिरा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रर्वतन की टीमों को जिलों में भेजकर मदिरा की दुकानों का औचक निरीक्षण करायें। इसमें जी0एस0टी0 टीम का भी सहयोग प्राप्त किया जाये। कच्ची शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगे, इसके लिए लगातार सघन तलाशी अभियान भी चलाया जाये। प्रमुख सचिव, आबकारी मती वीना कुमारी ने बताया कि सितम्बर माह में आबकारी टीम द्वारा 78848 छापे मारे गये और 227957 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई। इसमें लिए 330 व्यक्तियों को जेल भेजा गया है। इस प्रकार वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 463947 छापे मारे गये हैर 1434083 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई है। तस्करी में लिए 118 वाहन जब्त करते हुए 5555 अभियुक्तों को जेल भेजा गया है। बैठक में अपर आबकारी आयुक्त (प्रशासन) ज्ञानेश्वर त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे और जनपदों के अधिकारी वर्चुअल जुड़े रहे।

किसान हित में आलू बीज की विक्रय दरों में की गई कमी

आधारित प्रथम 2995 एवं द्वितीय 2595 रूपये प्रति कुंतल आलू बीज की दर निर्धारित

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार में किसान हित के दृष्टिगत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के किसानों एवं आलू उत्पादकों के हित को देखते हुए वर्ष 2024–25 के लिए आलू बीज वितरण व विक्रय की दरें निर्धारित करने में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजकीय आलू बीज की उपलब्धता कृषकों को सुगम बनाए जाने के उद्देश्य से प्रदेश के किसानों को बीजोत्पादन के लिए विक्रय हेतु विभागीय दरों में 500 रुपये प्रति कुन्तल की दर में कमी करके विक्रय दर (शोध संस्थाओं एवं सरकारी संस्थाओं को छोड़कर) निर्धारित कर दी गई है।उद्यान मंत्री सिंह ने बताया कि निर्धारित दरों के अनुसार अब आधारित प्रथम आलू 2995 रूपये प्रति कुंतल, आधारित द्वितीय आलू 2595 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज (आधारित प्रथम) 2270 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज (आधारित द्वितीय) 2210 रूपये प्रति कुंतल तथा आधारित प्रथम आलू ट्रूथफूल 2180 रूपये प्रति कुंतल बीज हो गया है। सफेद एवं लाल आलू प्रजातियों की बीज विक्रय दरें एक समान है। इन दरों पर प्रदेश के कृषक अपने जनपदीय उद्यान अधिकारी से नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर आलू बीज का उत्पादन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रदेश के किसानों को नकद मूल्य पर आधारित प्रथम, द्वितीय तथा प्रमाणित आलू बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे पहले आलू बीज की विक्रय दर आधारित प्रथम 3495, आधारित द्वितीय 3095, ओवर साइज (आधारित प्रथम) 2770, ओवर साइज (आधारित द्वितीय) 2710 तथा आधारित प्रथम ट्रुथफूल 2680 रूपये प्रति कुंतल निर्धारित की गयी थी।

उद्यान मंत्री ने बताया कि प्रदेश में लगभग 6.96 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में आलू की बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए लगभग 24– 25 लाख मैट्रिक टन आलू बीज की आवश्यकता होगी। उद्यान विभाग लगभग 40– 45 हजार कुन्तल आधारित श्रेणी का आलू बीज किसानों में बीज उत्पादन के लिए वितरित करेगा। जिससे किसानों द्वारा अग्रेतर श्रेणी का बीज उत्पादन कर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त बीज की कमी को पूरा करने में सहभागी हो सकते हैं। गुणवत्तायुक्त प्रमाणित आलू बीज से प्रदेश के आलू उत्पादन में वृद्धि होगी। निदेशक उद्यान डॉ0 विजय बहादुर द्विवेदी ने बताया कि मार्च 2023 में प्रदेश के राजकीय प्रक्षेत्रों पर उत्पादन के लिए सीपीआरआई, भारत सरकार से 9214.94 कुन्तल जनक (ब्रीडर) आलू बीज प्राप्त कर राजकीय प्रदेश के 21 राजकीय प्रक्षेत्रों पर कुल 224.83 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आलू बीज का उत्पादन कराया गया, जिससे 45168.50 कुन्तल आधारीय एवं टी0एल0 श्रेणी के आलू बीज (कुफरी बहार, कुफरी चिप्सोना–1 एवं 3, कुफरी आनन्द, कुफरी पुखराज, कुफरी सूर्या, कुफरी ख्याति, कुफरी सिन्दूरी, कुफरी फ्राईसोना, कुफरी मोहन, कुफरी गंगा, कुफरी नीलकण्ठ, कुफरी लवकार एवं कुफरी बादशाह) का उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसे राजकीय शीतगृह अलीगंज, लखनऊ तथा मोदीपुरम, मेरठ में भण्डारित किया गया। भण्डारित आलू बीज का प्रदेश के समस्त जनपदों को आवंटित कर किसानों के मध्य नकद मूल्य पर वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रसंस्कृत प्रजातियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था से पंजीकरण के उपरान्त आलू बीज उत्पादन की बैगिंग, टैगिंग कराने पर किसानों को 25 हजार रुपये प्रति हैक्टेयर की दर से अनुदान की व्यवस्था है। आलू बीज की प्रसंस्कृत प्रजातियां कुफरी चिप्सोना–1 एवं 3, कुफरी फ्राईसोना तथा कुफरी सूर्या हैं।

भाजपा की नीतियां नौजवानों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही –अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की नीतियां नौजवानों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही हैं। शिक्षा महंगी है। शिक्षित बेरोजगारी भाजपा सरकार में विकराल रूप से चुकी है। भ्रष्टाचार को भाजपा का प्रश्रय पूरी व्यवस्था के लिए अभिशाप है। सन् 2022 के विधानसभा चुनाव में जनादेश से छलकर भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या की थी। भाजपा की ऐसी साजिशों से हमें अब सतर्क और जागरूक रहना होगा। 2027 में समाजवादी सरकार बनना तय है।अखिलेश यादव आज यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में युवा संगठनों समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्र सभा तथा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में नौजवानों ने एक राय से संकल्प लिया कि समाजवादी सरकार बनाने में अब कोई चूक नहीं करनी है। उनका कहना था कि भाजपा सरकार में युवाओं की समस्याओं का कोई समाधान संभव नहीं। समाजवादी सरकार में ही प्रदेश में प्रगति और खुशहाली आएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि बेकारी एक बड़ा मुद्दा है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। भर्तियों में पेपर लीक होता है। निवेश की बाते बड़ी–बड़ी हुई पर कहीं कोई निवेश नहीं आया। भाजपा सरकार में निर्दोष नौजवानों को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है। फर्जी एनकाउण्टर कर उनकी हत्या की जा रही है। भाजपा खास तौर पर पीडीए के नौजवानों के साथ अन्याय कर रही है। युवाओं के साथ खिलवाड़ करना भाजपा की सोची समझी नीति है। उनकी नीयत में खोट है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का वैचारिक स्तर पर समाजवादी पार्टी से कोई मुकाबला नहीं हैं विकास के क्षेत्र में भी समाजवादी पार्टी का रिकार्ड भाजपा से बहुत बेहतर है। उत्तर प्रदेश का विकास समाजवादी सरकार में ही हुआ। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और विचारधारा ही देश को आगे ले जाती है।यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में विकास की गति को तेज करने के लिए देश की सबसे अच्छी एलिवेटेड रोड गाजियाबाद में बनी। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे, मेट्रो रेल, गोमती रिवरफ्रंट, जेपीएनआईसी, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का इकाना क्रिकेट स्टेडियम, विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु नये पावर हाउस बनाये गये थे। डायल 100, 102, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1090 वूमेन पावर लाइन, कैंसर अस्पताल, गंभीर रोगों किडनी, हार्ट, लीवर, कैंसर आदि के मुफ्त इलाज की सुविधा दी। चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य की सभी सुविधाएं निःशुल्क की गयी थी। छात्र, नौजवान, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, मजदूर समेत सभी के लिए सुविधाएं दी गई थी। किसानों के उत्पाद के लिए मंडी की व्यवस्था की गई थी तथा उनकी फसल का लाभकारी मूल्य भी उन्हें समाजवादी सरकार में ही मिला था।

रोशनी कमेटियों के द्वारा ही दशहरे की चमक है बरकरार– सुनील वाजपेई

दशहरे मेले के समापन के अवसर पर मुट्ठीगंज चौराहे पर रोशनी प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजनप्रयागराज। तीन दिवसीय दशहरे मेले के समापन के अवसर पर एकादशी के पावन पर्व पर मुट्ठीगंज चौराहे पर चारों दिशा के रोशनी कमेटियों के द्वारा रोशनी की प्रतियोगिता का भव्य प्रदर्शन किया गया और मुट्ठीगंज चौराहे पर रोशनी कमेटी के ठेकेदार, बिजली विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशासन के अधिकारियों को मुट्ठीगंज के चारों रोशनी कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर थाना अध्यक्ष मुट्ठीगंज सुनील बाजपेई ने संयुक्त रूप से रोशनी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन को लेकर सभी को बराबर का दर्जा देते हुए कहा कि प्रयागराज के ऐतिहासिक दशहरे के मेले की चमक रोशनी कमेटियों से ही जगमगाती है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन चरित्र का दर्शन प्रकाश उत्सव के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने का काम किया है। इसके लिए रोशनी कमेटी के सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। इस अवसर व्यापारी नेता एवं इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी ने मुट्ठीगंज के चारों रोशनी कमेटी के अध्यक्षों को एवं पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए दशहरे मेले की सफल आयोजन के लिए बधाई दिया।

कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने किया। इस अवसर रोशनी कमेटी के संरक्षक रामबाबू अग्रहरि, न्यू बाल संघ रोशनी कमेटी के अध्यक्ष उमेश चंद्र केसरवानी दादा, बाल संघ रोशनी कमेटी के अध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी, श्री व्यापार मंडल रोशनी कमेटी अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी एवं श्री मुट्ठीगंज रोशनी कमेटी के अध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी एवं राजेश केसरवानी, राजकुमार केसरवानी, रमेश चंद्र केसरवानी एवं चारों रोशनी कमेटी के पदाधिकारी एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

रोशनी प्रतियोगिता के संयुक्त निर्णय को लेकर सभी ने स्वागत किया और रोशनी प्रतियोगिता का आनंद लिया।

बच्चों में स्वास्थ्य के साथ साथ शारीरिक विकास भी आवश्यक- क्षमा शंकर

प्रयागराज। न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता उच्च प्राथमिक विद्यालय उठगी में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी क्षमा शंकर पाण्डेय रहे। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने उद्घाटन करते हुए कि कहा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों के स्वास्थ्य के साथ साथ शारीरिक विकास भी आवश्यक है। शिक्षक नेता राजेश शुक्ला द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। प्रधान अध्यापक प्राथमिक विद्यालय उठगी से नफीस एवं रघुवंश मणि त्रिपाठी ने सभी बच्चों को खेल के लिए सकारात्मक वातावरण प्रदान किया। इनकी देखरेख में प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई।वहीं शिक्षिका अनीता सोनकर ने छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर 50 ,100, 200 मीटर की दौड़, लम्बी कूद, ऊंची कूद, खो– खो, कबड्डी आदि खेलों में उच्च प्राथमिक विद्यालय उठगी के बच्चों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा।

आईवीएफ गर्भावस्था की गारंटी नहीं देता– डा. मधुलिका सिंह

आईवीएफ के बारे में आम मिथकों और भ्रांतियों को किया खारिज

प्रयागराज। डॉ. मधुलिका सिंह इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) ने प्रजनन उपचार में क्रांति ला दी है, लेकिन इस प्रक्रिया से जुड़ी गलतफहमियां अक्सर आशावादी माता–पिता के लिए भ्रम पैदा करती हैं। सबसे आम मिथकों में से एक यह है कि आईवीएफ गर्भावस्था की गारंटी देता है, जो कि झूठ है। आईवीएफ की सफलता दर महिला की उम्र, प्रजनन स्वास्थ्य और जीवनशैली विकल्पों जैसे कारकों के आधार पर भिन्न होती है। युवा महिलाएं आम तौर पर उच्च सफलता दर का अनुभव करती हैं, जबकि उम्र से संबंधित प्रजनन क्षमता में गिरावट से गर्भधारण की संभावना कम हो सकती है। बिड़ला फर्टिलिटी और आईवीएफ प्रयागराज की आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. मधुलिका सिंह कहती हैं कि कई जोड़े व्यापक मिथकों के कारण विविध, कभी–कभी अवास्तविक उम्मीदों के साथ हमारे क्लिनिक में आते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आईवीएफ कोई चमत्कारिक समाधान नहीं है। हालांकि यह कई जोड़ों को आशा प्रदान करता है, लेकिन प्रत्येक मामला अद्वितीय है। उम्र, जीवनशैली और चिकित्सा इतिहास जैसे कारक सफलता निर्धारित करने में भूमिका निभाते हैं। बिड़ला फर्टिलिटी और आईवीएफ में हम यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक जोड़े को अच्छी तरह से परामर्श दिया जाए, जिससे जोड़े अपनी प्रजनन यात्रा के लिए सर्वोत्तम निर्णय लेने के लिए यथार्थवादी मानसिकता के साथ प्रक्रिया को अपना सकें।

उन्होंने कहा कि एक और व्यापक रूप से प्रचलित गलतफहमी यह है कि आईवीएफ के परिणामस्वरूप हमेशा कई जन्म होते हैं। प्रजनन प्रौद्योगिकी में प्रगति के कारण, क्लिनिक अब आमतौर पर एकल भ्रूण स्थानांतरण करते हैं, जो जुड़वाँ या तीन बच्चों के जोखिम को कम करता है। इसके अलावा, कुछ लोगों का मानना है कि आईवीएफ से जन्मे बच्चे स्वाभाविक रूप से गर्भधारण करने वाले बच्चों की तुलना में कम स्वस्थ होते हैं, लेकिन दीर्घकालिक अध्ययनों से पता चला है कि आईवीएफ से जन्मे बच्चों का विकास उनके साथियों की तरह ही सामान्य रूप से होता है।

यमुना पाण्डेय को याद कर नमन किया

प्रयागराज। कांग्रेस के पुरोधा प्रोफेसर स्व. यमुना प्रसाद पाण्डेय को पार्टीजनों, विभिन्न राजनैतिक दलों और समाज के हर वर्ग के लोगों ने तृतीय पुण्यतिथि पर याद कर नमन किया।टैगोर टाउन स्थित उनके निज आवास पर सांय आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने उन्हें एक ईमानदार, मृदुभाषी और सादगी पसंद व्यक्ति बताया। कहा कि उन्होंने कठिन समय में भी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्हें प्रेरणा स्रोत, मार्गदर्शक और आदर्श मान उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता डा.घनश्याम सिंह ने किया। संचालन प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने किया।प्रारंभ में प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री राकेश धर त्रिपाठी एवं बीएचयू के पूर्व वीसी डा. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने डा. यमुना पाण्डेय की स्मृति में लिखी स्मरणांजलि स्मारिका का संयुक्त रूप से विमोचन किया। स्व.पाण्डेय के इकलौते पुत्र आईआरएस विवेक पाण्डेय, जगदीश प्रसाद पाण्डेय व डा. शैल पाण्डेय ने सभी का स्वागत कियापूर्व मंत्री अशोक बाजपेयी ने डा.पाण्डेय से जुड़े संस्मरण सुनाये। पूर्व सांसद द्वय धर्मराज पटेल व शैलेंद्र कुमार, पूर्व विधायक विजय प्रकाश, महाराज कुमार सिंह, चंद्रमौलि पाण्डेय, संगम लाल मिश्रा, बृजेन्द्र मिश्रा, ओमप्रकाश त्रिपाठी, फुजैल हाशमी, हरिकेश त्रिपाठी, संजय तिवारी, महेश त्रिपाठी, देवी पांडेय, पी वी सिंह, डा. रमाकांत पाण्डेय सहित सैकड़ों मौजूद थे। इस अवसर पर भजन संध्या भी आयोजित थी।

नेशनल कम्पटीशन में सी.एम.एस. छात्र गोल्ड टॉपर

लखनऊ, 14 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के कक्षा–8 के प्रतिभाशाली छात्र अभिराज प्रताप सिंह नेगी ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ब्रेनोब्रेन वन्डरकिड प्रतियोगिता में गोल्ड टॉपर का खिताब अर्जित विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन किड्स एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में देश भर के लगभग 2000 विद्यालयों से 75000 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के इस प्रतिभाशाली छात्र ने मेन्टल मैथ्स, लॉजिकल एबिलिटी, जनरल नॉलेज एवं स्पीड टाइपिंग में अपनी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड टॉपर होने का गौरव अर्जित किया है। प्रतियोगिता के आयोजकों ने अभिराज की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।यह प्रतियागिता छात्रों को बौद्धिक क्षमता पर ध्यान केन्द्रित करने तथा त्वरित गति से समाधान ढूढ़ने एवं सीखने की क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। सी.एम.एस. अपने छात्रों को देश–विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु लगातार प्रोत्साहित करता रहता है।

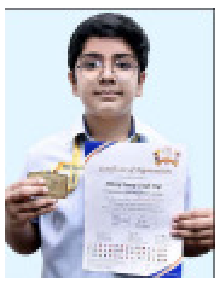

नेशनल योगा कम्पटीशन में सी.एम.एस. छात्रा को प्रथम पुरस्कार

लखनऊ, 14 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस की प्रतिभाशाली छात्रा आरना ओम सिंह ने झारखण्ड में आयोजित नेशनल योगा कम्पटीशन में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता का आयोजन काउन्सिल फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन्स (सी.आई.एस.सी.ई.) के तत्वावधान में किया गया, जिसमें आरना ने अण्डर–14 गर्ल्स इण्डिविजुअल रिदमिक कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार अर्जित अपने योग कौशल का परचम लहराया है। इस उपलब्धि हेतु आरना को 'बेस्ट योगा गर्ल' के खिताब से भी नवाजा गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने आरना की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस इस छात्रा ने विभिन्न योगासनों, यौगिक क्रियाओं एवं शारीरिक क्षमता का जोरदार प्रदर्शन कर सिद्ध कर दिया कि निकट भविष्य में यह छात्रा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने को तत्पर है।सी.एम.एस. अपने छात्रों को उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु सदैव प्रोत्साहित करता है।

छात्रों, बेरोजगारों के हित की लिए लड़ाई लड़ेंगे डॉ सर्वेश श्रीवास्तव

जौनपुर।राष्टीय युवा अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर सिंह पुष्कर के निर्देश पर जनपद में संगठन को मजबूती के लिए डॉ सर्वेश श्रीवास्तव को प्रदेश संयुक्त सचिव के पद पर मनोनीत किया गया।इस अवसर पर जनपद एवं मंडल के प्रदेश

पदाधिकारियों द्वारा सम्मान समारोह एवं पेरिस वार्ता का आयोजन किया गया। छात्रों, नौजवानों, बेरोजगारों की आवाज उनके प्रगति, उत्थान, उन्नति एवं बेहतर भविष्य के लिए सदैव संघर्षशील मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर सिंह डॉ सर्वेश श्रीवास्तव को मंच की नीतियों व कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने संगठन के विस्तार एवं प्रचार प्रसार के माध्यम से सदस्यता अभियान चलाकर संगठन को मजबूत व गतिशील बनाने के लिए जिम्मेदारी दी गयी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस निर्णय से जनपद के युवाओं एवं पदाधिकारी में खुशी की लहर है। डॉ सर्वेश श्रीवास्तव ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा है की इस जिम्मेदारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का धन्यवाद देता हूं । संगठन को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा साथ ही यह पार्टी नवजवानों छात्रों, बेरोजगारों के हित के लिए लड़ाई लड़ेंगी।इस पार्टी का उद्देश्य है कि सब का साथ सबका विकास भावना से काम करना है । क्योंकि अन्य राजनीतिक दल सिर्फ परिवार व जाति भावना से प्रेरित है। लेकिन इस मंच पर सर्व समाज को साथ लेकर चलने का संकल्प लिया है।इस अवसर पर विजय प्रकाश पांडेय, अमित सिंह सूर्यवंशी, नरेंद्र मिश्र, रंजीत सोनकर, सत्येन्द्र मिश्र, वैभव सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

बहराइच जिले में मुर्ति विसर्जन के दौरान भारी बवाल

बहराइच संवाददाता बहराइच रूजिले के राम गांव थाना क्षेत्र के रेहुआ मंसूर गांव की प्रतिमा रविवार शाम को विसर्जन के लिए रवाना हुई। जुलूस हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में पहुंची। बाजार निवासी अब्दुल हमीद के घर के सामने से निकल रहे जुलूस में लोग जयकारा लगा रहे थे। इसी दौरान मूर्तियों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पथराव शुरू कर दिया।

पथराव के बीच ही उपद्रवियों ने गोली चला दी।गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा (22) पुत्र कैलाश नाथ उर्फ पुताई घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह सूचना महाराज गज बाजार पहुंची तो लोगों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर आग लगा दिए। चार मकान जलाकर राख हो गई। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएससी के जवान पहुंचे हैं।लेकिन गांव के लोगों ने चारों तरफ कई लोगों को घेर रखा है। मूर्तियों का विसर्जन रोक दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के सामने शव रखकर मृतक के परिजनों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। शहर की प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। इसके अलावा फखरपुर, राम गांव, कैसरगंज क्षेत्र की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। आधे जिले में घटना से अफरा तफरी मच गई है। पुलिस लोगों को समझाने का काम आकर रही है। लेकिन कुछ उपाय नहीं सूझ रहा है। घटना को लेकर बहराइच में काफी तनाव।

परिवार रजिस्टर की नकल अब होगी ऑनलाइन प्राप्त -डीपीआरओ किरन चौधरी

मथुरा। आधुनिक सुविधाओं के दौर में दिन–प्रतिदिन होने वाले कार्यो को ऑनलाइन करके कार्यो की गति तीव्रता से संचालित होती जा रही है।उसी आधुनिकता के दौर में अबसभी ग्राम पंचायतो का परिवार रजिस्टर ऑनलाइन किया जा रहा है, इसका सत्यापन एडीओ पंचायत द्वारा किया जाएगा।परिवार रजिस्टर की नकल के लिए अब ग्रामीणों को ग्राम सचिव व सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। खसरा खतौनी व घरौनी के बाद परिवार रजिस्टर की नकल भी ऑनलाइन मिल सकेगी। अभी तक परिवार रजिस्टर केवल ग्राम पंचायतों में ही था, सचिव इसकी कॉपी देते हैं।इसके लिए पहले परिवार रजिस्टर का सत्यापन कराना होगा। इसमें नाम, पता व उम्र के साथ जाति–धर्म, साक्षर–निरक्षर जैसे सभी 12 कॉलम में सूचनाएं दर्ज करना अनिवार्य होगा। जिनमें क्रमांक संख्या, मकान नंबर, परिवार के प्रमुख का नाम, परिवार के सदस्यों के नाम, जाति, धर्म, पिता, पति का नाम, जन्म तिथि, साक्षर–निरक्षर सहित अन्य जानकारियां होती हैं।वही इस सम्बंध में जानकारी देते हुएडीपीआरओ किरन चौधरी ने बताया कि अब परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जिससे कि अब ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर के लिए परेशान नही होना पड़ेगा,अब उनको आसानी से ऑनलाइन परिवार रजिस्टर उपलब्ध हो सकेगा।एडीओ पंचायत की देखरेख में यह काम शुरू हुआ है।ग्राम पंचायतों में जो परिवार रजिस्टर रखे हुए हैं उन सभी को एकत्र करने के बाद उनकी त्रुटियों को दूर किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में इसके लिए जल्द अभियान चलाया जाएगा। ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को आदेश जारी किए जा रहे हैं।

गाजियाबाद में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक संपंन्न

दिनांक 13.10.2024 को उड्प्पी कृष्णा होटल नवयुग मार्केट गाजियाबाद में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक श्री अंकुर तंवर महानगर अध्यक्ष युवा गाजियाबाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किशनपाल सिंह तौमर एडवोकेट ष्कवि सुकुमारष जी मुख्य अतिथि थे। सबसे पहले राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का स्वागत माल्यार्पण कर और पुष्प गुच्छ अर्पित करके स्वागत किया गया।तब माहौल अति भावुकता पूर्ण हो गया जब रामगोपाल तोमर जी ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के चरण स्पर्श कर आशिर्वाद प्राप्त किया तब सहारनपुर,मेरठ, बुलन्दशहर और हापुड़ से आए हुए कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में चरण स्पर्श कर आशिर्वाद लेने की होड़–सी लग गई। बामुश्किल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जी के समझाने पर उनको रोका जा सका। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं तथा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारीगण को संबोधित करते हुए श्री किशनपाल सिंह तौमर एडवोकेट ष्कवि सुकुमारष जी ने कहा कि वर्तमान समय में वही समाज प्रगति कर रहा है जो संगठित होकर समाज के उत्थान और विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।जो भी समाज संगठित नहीं है उनका दिन प्रतिदिन पतन हो रहा है और वो विकास में पिछड़ते जा रहें हैं। क्योंकि क्षत्रिय राजपूत समाज संगठित नहीं है तो सरकार भी क्षत्रिय राजपूत समाज के प्रति उदासीन है और क्षत्रिय राजपूत समाज के उत्थान और विकास के

लिए कोई ठोस योजनाएं नहीं बना रही है क्योंकि सरकार को पता है कि ये लोग सोए हुए हैं और अपने अधिकारों के प्रति बिल्कुल उदासीन हैं।इनके साथ जो करो ये कोई विरोध नहीं करेंगे। सरकार क्षत्रिय राजपूत समाज को अपना बंधुआ मजदूर समझ बैठी है।जब तक हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, कोई पूछने वाला नहीं है। अन्य समाजों के लोग जागरूक और सचेत हैं और अपने अधिकारों को पाने के सरकार की नाक में दम कर देते हैं और मजबूर हो कर सरकार उनकी मांगों को मानती है। इसी तरह से सभी क्षत्रिय राजपूत समाज को सरकार और अन्य लोगों को अपनी ताकत का एहसास कराना चाहिए और अपने समाज को लोगों को आगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिए। इसके मैं माग करता हूं सरकार अतिशीघ्र सवर्ण आयोग का गठन करे। ताकि सवर्णो को न्याय मिल सके।

इस अवसर पर रामगोपाल तोमर जी को जिला अध्यक्ष गाजियाबाद से पदोन्नत कर मंडल अध्यक्ष मेरठ मंडल घोषित किया गया।

साथ–साथ सहारनपुर मेरठ से आए हेमन्त पुंडीर,सोनू पुंडीर, मेरठ के भारत सोम, गाजियाबाद के, विक्की चौहान,अजेन्दर राघव, प्रेमपाल सिंह, सुनील राजपूत को दायित्व की घोषणा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशनपाल सिंह तौमर एडवोकेट ष्कवि सुकुमारष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति लेकर की।

बैठक में किशन पाल सिंह तौमर एडवोकेट कवि सुकुमार, रामगोपाल तोमर, अंकुर तंवर,सोनू पुंडीर,भारत सोम, हेमंत पुंडीर,सुनील राजपूत भीम सिंह, नेपाल सिंह शिशौदिया, धर्मवीर सिंह राणा, निश्चल राणा, रवीन्द्र कुमार,कौशल तौमर,और सैंकड़ों कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।मंच संचालन महानगर अध्यक्ष युवा गाजियाबाद श्री अंकुर तंवर ने किया।

डा0 राम मनोहर लोहिया का स्मृति–दिवस कार्यक्रम "शोषण, अन्याय मुक्त दिवस" के रूप में मनाया गया

साहिबाबाद । लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जी0 टी0 रोड साहिबाबाद के प्रांगण में प्रखर समाजवादी, स्वतंत्रता सेनानी, विलक्षण प्रतिभावान डा0

राम मनोहर लोहिया का स्मृति–दिवस कार्यक्रम "शोषण, अन्याय मुक्त दिवस" के रूप में संस्था के संस्थापकध्अध्यक्ष शिक्षाविद, समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गयाद्य कार्यक्रम की अध्यक्षता मूर्धन्य लेखक कविहृदय अवधेश मिश्र एडवोकेट ने, आयोजन इंजी0 धीरेन्द्र यादव ने, सञ्चालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने कियाद्य इस अवसर पर डा0 राम मनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके क्रान्तिकारी विचार को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया, उनके सम्मान में जोरदार नारे लगाये गये, हुकुम सिंह, राजेन्द्र सिंह ने गीत और भजन प्रस्तुत किया, शिक्षक राम प्यारे यादव ने भी विचार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता समाजवादी पार्टी के वरिष्ट नेता राम दुलार यादव ने कहा कि डा0 लोहिया, महात्मा गाँधी, कार्लमार्क्स और आधा पंडित जवाहर लाल नेहरू के विचार से प्रभावित थेद्य वह शोषण और अन्याय के विरुद्ध एक साथ क्रान्ति बोलने के पक्षधर रहे, उन्होंने सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण के विरुद्ध, नर–नारी समानता, लोकतंत्र की रक्षा के लिए, अस्त्र–शस्त्र के विरुद्ध, सत्याग्रह, जातिप्रथा के खिलाफ तथा पिछड़ों को विशेष अवसर प्रदान करने के लिए, विदेशी गुलामी के विरुद्ध, आर्थिक और मानसिक रंगभेद के विरुद्ध सप्तक्रान्ति का उद्घोष किया, ब्रिटिश सामाज्य के विरुद्ध भारत को गुलामी से मुक्त कराने के लिए अपार कष्ट झेला, जब देश आजाद हो गया तो भी सामाजिक अन्याय, शोषण मुक्त समाज, पिछड़ों, वंचितों, शोषितों को विशेष अवसर प्रदान करने के लिए अनवरत संघर्ष, आन्दोलन किया, वह भारतीय भाषा हिंदी को राज–काज की भाषा बनाने के पक्षधर रहे, उनका आर्थिक चिंतन व्यक्ति, समाज को सुदृढ़ बनाने के पक्ष में था, उनका मानना था कि हम आर्थिक बराबरी तो नहीं दे सकते लेकिन सापेक्ष बराबरी के लिए तो मार्ग प्रशस्त कर सकते है लेकिन आज आजादी के 77 वर्ष बाद हम सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक, अध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से मानवतावादी, समतामूलक समाज नहीं बना पाए, आज गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, झूठ का बोल–बाला है, अधिनायकवादी, अहंकारी, घोर पूंजीवादी ताकतें पूरी व्यवस्था को प्रभावित कर अपने पक्ष में माहौल बना रही हैद्य देश की अधिकांश जनता तक प्रकाश की किरण नहीं पहुँच पा रही है, वह अभाव में जीवन जीने को अभिशप्त है, अशिक्षा, अज्ञान, अन्धविश्वास, रुढ़िवाद के कारण मानसिक गुलामी का जीवन जी असमानता की शिकार है, हमें डा0 राम मनोहर लोहिया के सपनों का भारत बनाने के लिए उनके सुझाये विचार पर ईमानदारी से चलकर लोगों को न्याय दिलाने का अनवरत प्रयास करना चाहिएद्य भारत का (भूख) हंगर इंडेक्स 127 देशों में 105वें स्थान पर है।

कार्यक्रम अध्यक्ष अवधेश कुमार मिश्र एडवोकेट ने कहा कि डा0 लोहिया के विचार देश, समाज, व्यक्ति की गरिमा के लिए आज भी प्रासंगिक है, हम महान पुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन का निर्माण कर सकते है, उनको स्मरण का अपने को आदर्शवान बना चमत्कृत कर सकते हैद्यकार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे, राम दुलार यादव, अवधेश मिश्र एडवोकेट, अमृतलाल चौरसिया, डा0 डी0 के0 सिंह, ब्रह्म प्रकाश, इंजी0 धीरेन्द्र यादव, अनिल मिश्र, राम जन्म यादव, शम्भू नाथ जायसवाल, मुनीव यादव, हुकुम सिंह, राम प्यारे यादव, शहनवाज हुसैन, फूलचंद वर्मा, ताहिर हुसैन, सरदार जसविन्दर सिंह सैनी, विजय भाटी एडवोकेट, प्रेम चन्द पटेल, रोहित यादव, भक्ति यादव, विजय मिश्र, सुभाष यादव, अमर बहादुर, हरिकृष्ण आदि ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मामला बढ़ने पर चौकी प्रभारी रिकाबगंज समेत दो पर कार्रवाई

अयोध्या (आरएनएस)। दुर्गा महोत्सव के समापन में प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस ने कुछ मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया था। जिसमें शहर मुख्यालय का रिकाबगंज मार्ग भी शामिल था। आरोप है युवक आगे जाने के लिए पुलिस से उलझ गया। जिस पर रिकाबगंज चौकी पुलिस ने चौकी लाकर युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी।युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार को भाजपा से जुड़े उसके पिता पूर्व सभासद ने अन्य लोगों के साथ एसएसपी से मुलाकात कर दोषी चौकी प्रभारी समेत चार को निलंबित किए जाने की मांग की है। एसएसपी ने चौकी प्रभारी रिकाबगंज समेत दो के खिलाफ कार्रवाई की है। शहर के तेली टोला निवासी नमन सोनी (27) पुत्र अनिल सोनी अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रिकाबगंज से चौक की ओर जा रहा था। नमन का आरोप है कि रूट डायवर्जन के चलते पुलिस ने उसको रिकाबगंज चौराहे पर रोक लिया। उन्होंने पास में ही घर होने और शेर गली से मुड़कर अपने घर जाने की बात कही। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने अभद्रता और गाली–गलौच शुरू कर दी। फिर पुलिस कर्मी उसे घसीटते हुए रिकाबगंज चौकी के पीछे स्थित कमरे में ले गए और गला दबा दिया। आरोप है कि पानी के पाइप से ताबड़तोड़ वार कर पिटाई की। मौके पर नौ पुलिस वाले थे, जिसमें से चौकी प्रभारी प्रवीण मिश्रा, उपनिरीक्षक पंकज कनौजिया, आरक्षी अभय सिंह व राहुल कुमार को वह पहचान पाया। स्थानीय लोगों के चौकी घेराव के बाद शनिवार की भोर 4.05 बजे उसे अस्पताल पहुंचाया। हालांकि डॉक्टर पर ठीक से मेडिकल न करने का दबाव बनाया। घटनाक्रम आदि का वीडियो उसके पास मौजूद है। उधर पीड़ित युवक के पिता और नगर पालिका के पूर्व सभासद अनिल सोनी ने पार्टी व दुर्गा पूजा समिति और कारोबार से जुड़े लोगों के साथ एसएसपी से मुलाकात की है। पुलिस का कहना है कि रूट डायवर्जन का हवाला देने के बाद युवक ने मौके पर मौजूद पुलिस, पीएसी व यातायात कर्मियों से गाली–गलौच की, जिसमें पुलिसकर्मियों की वर्दी भी फट गई। प्रकरण के तूल पकड़ने के बाद एसएसपी ने रिकाबगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण मिश्रा व उपनिरीक्षक पंकज कनौजिया को निलंबित किया है। हालांकि अभी किसी अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ।नगर कोतवाल अश्विनी कुमार पांडेय ने बताया कि प्रकरण में उनको किसी पक्ष की शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय कारोबारी टंकल सरदार के साथ स्कूटी से दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा का जायजा लेने निकले भाजपा के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने रिकाबगंज चौराहे के पास नमन सोनी प्रकरण में पुलिसिया कृत्य को लेकर एसपी सिटी मधुबन सिंह से कड़ी आपत्ति जताई थी।

-कार्यकर्ताओं की टटोली नब्ज, दिया जीत का मंत्र

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। आगामी उपचुनाव को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद व मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी लाल बिहारी यादव ने मतदाताओं की नाराजगी को दूर करने व सपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा मिल्कीपुर क्षेत्र में मैराथन दौरा कर जीत का मंत्र दिया। विधानसभा मिल्कीपुर की ग्राम सभा मवई खुर्द पहुंचकर कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली जहां मवई खुर्द सहित कई ग्राम सभाओं से आए सपा कार्यकर्ताओं ने सेन परिवार के उपचुनाव में दूरी बनाए रखने से संबंधित बात की तो नेता प्रतिपक्ष तुरंत दूरभाष से पूर्व मंत्री आनंद सेन से वार्ता की। वार्ता करने के बाद कार्यकर्ताओं को बताया कि शीघ्र ही सभी उपचुनाव में साथ दिखाई देंगे। मवई खुर्द में कार्यकर्ता बैठक के बाद हैरिंग्टनगंज क्षेत्र स्थित एक निजी विद्यालय में प्रबुद्ध एवं शिक्षक वर्ग के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा यह चुनाव आप प्रत्याशी के लिए नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि समाजवादी पार्टी व अखिलेश यादव के लिए लड़ रहे हैं। मतभेदों को भूलकर मिल्कीपुर सीट जीतने की तैयारी करें। आगामी उपचुनाव को आप सभी हल्के में ना ले क्योंकि मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव को जितवाने के लिए पूरी सरकारी मिशनरी से आपको जूझना पड़ेगा। मतदाता सूची पर आप सबको विशेष ध्यान रखने की जरूरत है ताकि सपा मतदाताओं के नाम सूची से बाहर न हो सके। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आप परेशान मत होइए जिन बूथों पर सपा कमजोर रही है, हम लोग खुद वहां पहुंचकर उसे मजबूत बनाएंगे।

डा. राजेंद्र बनौधा अध्यक्ष व डा. प्रवीण मौर्य सेक्रेटरी निर्वाचित

अयोध्या (आरएनएस)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के चुनाव में डॉ. राजेंद्र बनौधा अध्यक्ष व डॉ. प्रवीण कुमार मौर्य सेक्रेटरी के पद पर निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी डॉ. अफरोज खान ने बताया कि शुक्रवार की रात सिविल लाइन्स स्थित एक होटल में चुनाव कराया गया। प्रेसिडेंट के लिए शहर के जाने–माने चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र कुमार बनौधा और सेक्रेटरी पद के लिए बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कुमार मौर्य ने अपना नाम दिया था। दोनों का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। डॉ. अफरोज खान ने बताया कि वरिष्ठ चिकित्सकों की मौजूदगी में दोनों को प्रमाण दिया गया है। कहा कि आईएमए में लगभग 100 सदस्य हैं, अभी कार्यकारिणी का गठन बाकी है।

संपादकीय

नायडू की पार्टी पर कोई फर्क नहीं

ऐसा लगता है कि उन पार्टियों को भी, जो कभी संवैधानिक भावना के अनुरूप धर्मनिपरपेक्षता की बात करती थीं, हिंदुत्व की गंगा में तैरना अब अधिक फायदेमंद लगता है। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भी इस गंगा में कूद पड़े हैं। यह तथ्य पहले ही सामने आ गया था कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बिना पर्याप्त सबूत के, संभवतरू जानबूझ कर, तिरुपति लड्डू विवाद उछाला। जिन प्रयोगशालाओं में लड्डू में इस्तेमाल हुए घी की जांच की गई थी, वहां के विशेषज्ञों ने कुछ सैंपलों में मिलावट का शक जरूर जताया था। मगर उन्होंने यह नहीं कहा था कि उसमें पशु चरबी की मिलावट है। यह पूरी कहानी चंद्रबाबू नायडू ने सियासी फायदे के लिए बनाई। चूंकि पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ईसाई धर्मावलंबी हैं, इसलिए चंद्रबाबू को लगा होगा कि यह मामला उठा कर रेड्डी के राजनीतिक करियर को स्थायी रूप से खत्म किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इस सच्चाई की पुष्टि हैं। कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को सलाह दी है कि वे कम–से–कम ईश्वर को सियासत से दूर रखें। मौजूदा हकीकत के बीच इस संवैधानिक भावना का अनुपालन अति–आशावादी नजर आता है। यह दौर राजनीतिक मकसदों के लिए धर्म का बढ़–चढ़ कर दुरुपयोग करने का है। दरअसल, ऐसा करने की क्षमता सियासी कामयाबी का पैमाना बन गई है। सुप्रीम कोर्ट ने ये तथ्य दोहराया कि अब तक तिरुपति लड्डुओं में पशु चरबी की मिलावट का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। लेकिन कोर्ट की इस टिप्पणी से चंद्रबाबू नायडू की पार्टी पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। जैसेकि इस बारे में विशेषज्ञों की मीडिया में आई प्रतिक्रिया का उस पर कोई असर नहीं हुआ। वह अपने पास मौजूद कथित सबूत पर टिकी हुई है। ऐसा लगता है कि उन पार्टियों को भी, जो कभी संवैधानिक भावना के अनुरूप धर्मनिपरपेक्षता की बात करती थीं, हिंदुत्व की गंगा में तैरना अब अधिक फायदेमंद लगता है। अभी हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अयोध्या स्थित मंदिर बनवाने में उनकी भूमिका की भूरि–भूरि प्रशंसा की। साथ ही सीतामढ़ी जिले में सीता के जन्मस्थल (जैसीकि मान्यता है) पर भव्य मंदिर बनवाने का इरादा जताया। विडंबना है कि जून में चुनाव नतीजा आने के बाद बहुत से लोगों ने चंद्रबाबू और नीतीश कुमार से ही नरेंद्र मोदी के एजेंडे पर लगाम लगाने की आस जोड़ी थी!

मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नही

देश के दो प्रधान धर्मों हिन्दू व मुस्लिम के बाहुलय मतदाताओं वाले राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन राज्यों के मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नही है। जम्मू–कश्मीर में जहां भाजपा को नेशनल कांफ्रेस से करीब आधी सीटें मिली, वहीं हिन्दू मतदाताओं के बाहुल्य वाले हरियाणा में कांग्रेस का काफी अवमूल्यन हुआ है, वैसे इस राज्य में कांग्रेस की जड़े गहरी है, किंतु इस बार मतदाताओं की सोच में समयानुसार परिवर्तन आया है, जिसका परिणाम यहां भाजपा का परचम लहराना है।

यद्यपि राजनीतिक पण्डितों की जम्मू–कश्मीर को लेकर यह सोच या आशंका अवश्य है कि वहां से नेशनल कांफ्रेस का जीतना भारत के लिए खतरनाक इसलिए है, क्योंकि नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला व उनके बेटे उमर अब्दुल्ला की निजी सोच पाकिस्तान के काफी निकट है, वे समय–समय पर पाकिस्तान की पैरवी करते रहते है, इसलिए यह भारत की एकता के लिए खतरनाक हो सकता है, किंतु चूंकि जम्मू हिन्दू प्रधान और कश्मीर मुस्लिम प्रधान क्षेत्र है, इसलिए जम्मू और कश्मीर के राजनेताओं और मतदाताओं की सोच अलग हो सकती है, किंतु इस मसले को भारत सरकार को समय रहते गंभीरता से लेना चाहिए, वर्ना धरती का स्वर्ग हमारे हाथों से खिसक सकता है, इसी विभाजनकारी खोज के कारण भाजपा का कश्मीर में कोई अस्तित्व नही रह गया है, जबकि जम्मू में भाजपा का स्थान काफी अहम् है, इसलिए यदि यह कहा जाए कि जम्मू–कश्मीर की राजनीति धर्म आधारित है तो वह कतई गलत नही होगा।

फिर इस राजनीतिक बिन्दु पर हमने अभी से गंभीर रूप से ध्यान नही दिया तो फिर हम पाक अधीकृत कश्मीर को हमारे पाले में लाने के बारे में भी सोच नही कर पाएगें।?इस तरह कुल मिलाकर हमारे मस्तक पर विराजित इन दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों जम्मू एवं कश्मीर के भविष्य पर गंभीर चिंतन जरूरी है और इस चिंतन की शुरूआत इन विधानसभा चुनाव परिणामों के साथ ही शुरू करना चाहिए।?करीब एक दशक के बाद जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए है और जनता ने भाजपा–कांग्रेस दोनों को ही सीधे–सीधे नकारते हुए नेशनल कांफ्रेंस के हाथों में राज्य की बागडोर सौंप दी है और लगे हाथ फारूख अब्दुल्ला ने अपने बेटे उमर अब्दुल्ला का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए घोषित भी कर दिया।

यहां इस राजनीतिक माहौल में कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को भी भुलाया नही जा सकता, जिनकी वजह से अतीत में जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस का परचम लहराया करता था, किंतु अब वे कांग्रेस से नाराज होकर अपने स्वयं द्वारा गठित नए राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा है, यद्यपि उनकी अपनी पार्टी का राज्य में फिलहाल कोई विशेष अस्तित्व नही है, किंतु वे एक जाने–पहचाने राष्ट्रीय नेता अवश्य है। उनकी अपनी इन चुनावों में क्या भूमिका रही? यह अभी तक स्पष्ट नही हो पाया है किंतु उनकी मुख्य पहचान जम्मू–कश्मीर से ही हैं।

अब राजनीतिक पंडितों का इन चुनाव परिणामों को लेकर मुख्य चिंतन यह है कि इन दोनों राज्यों हरियाणा व जम्मू–कश्मीर के परिणामों का इस वर्ष के अंत तक होने वाले दो राज्यों व अगले वर्ष के प्रारंभ में दिल्ली तथा उसके साथ होने वाले राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या होगा? भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता इसी चिंतन में व्यस्त है।?आज की एक और परिपाटी बन गई है

वह यह कि जब चुनाव आते है तो वहां राजनीति केंद्रित हो जाती है और परिणामों के असर जैसे कई भविष्यवादी मुद्दों पर चिंतन करती है और फिर श्कुर्सीच्च मिल जाने के बाद सब कुछ भुला देती है। यह सोच देश के राजनीतिक भविष्य के लिए कितनी सही है, इस पर निष्पक्ष चिंतन जरूरी है और इन चुनाव परिणामों के भावी असर पर सोच–विचार भी निष्पक्षता की परिधि में जरूरी है।

तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा, कहने वाली महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं बचा

महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू–कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है।पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग–राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं।हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू–कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू–कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दर्शाता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात–ए–इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया। वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा–बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी हैं। देखा जाये तो आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले

में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकर्ताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था। हम आपको बता दें कि विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। यह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। 65 वर्षीय पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था लेकिन जनता ने उनकी बात नहीं सुनी। वैसे वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2002 में 16 सीटें जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई थी। महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की। वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं।

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी।अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है।

कांग्रेस से तुम हो तुम से कांग्रेस नहीं

कांग्रेस ने नहीं समझा, दूर नहीं किया तो आगे भी उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस के मठाधीशों की यह कहानी लंबी है। लेकिन इसका तोड़ बहुत छोटा है। हाईकमान की सख्ती। क्षत्रपों को हमेशा बताते रहना कि कांग्रेस से तुम हो। तुम से कांग्रेस नहीं। कितने उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में तो कमलनाथ पागल ही हो गए थे। खुद को भावी मुख्यमंत्री लिखवाने लगे थे। बुरी तरह हरवाया मध्य प्रदेश। फिर बेटे को लेकर बीजेपी में जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस अभी भी उन पर कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं कर रही। हरियाणा में क्या हुआ? हरियाणा में क्या हुआ? कोई नहीं समझ पा रहा। कांग्रेस ईवीएम को दोष दे रही है। हो सकता है। ईवीएम हमेशा शक के दायरे में रही। और कांग्रेस ही नहीं खुद भाजपा ने इस पर कई बार ऊंगलियां उठाईं। भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने श डेमोक्रेसी एट रिस्क! कैन वी ट्रस्ट अवर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन? श पूरी किताब लिख दी थी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी ने इसकी भूमिका लिखी थी। किताब में ईवीएम को पूरी तरह बेईमानी का जरिया बताया गया था। आडवानी और दूसरे भाजपा नेताओं ने पूरे देश में घूम घूम कर ईवीएम का विरोध किया था। यह 2009 के लोकसभा चुनाव के भाजपा की हार के बाद की बात है।कांग्रेस ने 2018 में इसके खिलाफ अपने राष्ट्रीय अधिवेशन (प्लेनरी) में प्रस्ताव पारित किया। अभी लोकसभा चुनाव के पहले भी सवाल उठाए। मगर इसे एक सबसे बड़ा मुद्दा बनाने का ज्यादा प्रयास कभी नहीं किया। मुद्दा उठाया। छोड़ दिया। अब हरियाणा की अविश्वसनीय हार के बाद फिर सवाल उठाया है।

सही है। उठाना चाहिए। लेकिन कुछ सवाल खुद से भी करना चाहिए। एक, हरियाणा एक ऐसा राज्य था जहां कांग्रेसी बहुत दबंग थे। दस साल के भाजपा शासन में भी उनके कोई काम रुकते नहीं थे। कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। किसी के यहां ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई के बड़े छापे कभी नहीं पड़े। जैसे उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ता परेशान रहे वैसे हरियाणा में नहीं हुए। तो ऐसे राज्य में अफसर ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ की कितनी हिम्मत कर सकते हैं? और उस स्थिति में जहां खुद बीजेपी को जीत का यकीन नहीं हो। कांग्रेस जोश में बीजेपी पस्त फिर अफसरों की हिम्मत कैसे पड़ी?

यह हम पहले भी लिख चुके हैं कि करने वाला तो आदमी होता है। और अगर उसे डर हो कि यह सब चीज नोटिस की जा रही है और कल गड़बड़ करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा तो वह गलत काम करने से डरेगा। हरियाणा में यह कैसे हुआ इसे कांग्रेस को अपनी भी एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर समझाना पड़ेगा। चुनाव आयोग में तो जाएं। मगर खुद भी वन्स एंड फारएवर इस मुद्दे को हल करना होगा।

जब 2018 में दिल्ली के कांग्रेस अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित किया गया था। ईवीएम के खिलाफ तब राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हमने तब भी लिखा। 2019 कांग्रेस के लोकसभा हारने के बाद भी लिखा कि एक उच्चस्तरीय कमेटी जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ हों, चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त हों, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज हों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हों इन सबको लेकर बनाना चाहिए। कांग्रेस की अभी इतनी खराब स्थिति नहीं आई है कि उसे लोग नहीं मिलें। ऐसी कमेटी पूरी स्टडी करके रिपोर्ट लेकर आती है तो उसका असर होगा। सुप्रीम कोर्ट जाने का भी एक मजबूत आधार होगा। अभी भी बना सकती है। हरियाणा एक बड़ा आधार है। इससे माहौल भी बनेगा और एक बड़ा इश्यू सैटल होने में मदद भी मिलेगी। लेकिन सिर्फ इस एक मुद्दे पर अड़े रहने से कांग्रेस का कुछ फायदा होने वाला नहीं है। यह वही मसल होगी कि ज् दिल तो बढ़ता है तबीयत तो बहल जाती है! बीमारी का इलाज नहीं होगा। जब तक बीजेपी सरकार में है ईवीएम हटाने का कोई सवाल ही नहीं। वह हटाने ही नहीं देगी। इसके लिए कांग्रेस को विपक्ष को सरकार में आना होगा। इसी ईवीएम के असर को रोककर कम करके। अधिकारियों पर दबाव बनाकर कि खबरदार कोई गड़बड़ी करने की कोशिश की तो! लेकिन अब बस यही है कि कांग्रेस करती नहीं है। हरियाणा जहां उसके नेता, कार्यकर्ता इतने दबंग थे वहां नहीं कर पाए तो दूसरे राज्यों जैसे मान लो गुजरात ही है जहां कांग्रेसी सबसे ज्यादा कमजोर है वहां क्या कर पाएगी। राहुल ने हरियाणा में भी कहा और हार के बाद बुधवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया में भी कहा मेरे बब्बर शेर! तो यह शेर जब हरियाणा में धांधली नहीं रोक पाए तो दूसरी जगह जहां इनका शेरपन कम होगा वहां कैसे रोकेंगे?

राहुल को कांग्रेस को पाइंट पर आना चाहिए। राहुल ने हरियाणा में कुमारी सैलजा और भूपेन्द्र हुड्डा के स्टेज पर हाथ मिलवाते हुए कहा कि मेरे शेर कभी कभी लड़ जाते हैं। फिर इन्हें एक करवाना मेरा काम होता है। सुनने में यह डायलग अच्छा है। मगर बेमतलब। राहुल ने यह कोई पहली बार हाथ मिलवाए।

राजस्थान जो ठीक इसी वजह से कांग्रेस हारी वहां भी ऐसे ही गहलोत और सचिन पायलट के हाथ मिलवाए थे। मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ और ज्यतिरादित्य सिधिंया के। छत्तीसगढ़ में आखिरी समय में टीएस सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाया।

उत्तराखंड में चुनाव से पहले हरीश रावत ने कैसे कैसे नाटक किए। जल समुद्र मगरमच्छ! पता नहीं कौन कौन से बिम्ब बनाकर खुद को पीडिघ्त बताया। पूरी जिन्दगी वे ऐसी ही राजनीति करते रहे। और जब रो रोकर मुख्यमंत्री बन गए तो कांग्रेस के नेताओं के ही फोन उठाना बंद कर दिए। 2016 में जब स्टिंग विवाद में हरीश रावत सुप्रीम कोर्ट से जीत गए तो हाई कमान ने हरीश रावत से विधानसभा भंग करके चुनाव करवाने को कहा। उनके पक्ष में सहानुभूति लहर थी। जीते जाते। मगर उस समय तक वे कांग्रेस के मठाधीश बन गए थे। क्योंमानते? नहीं माने। और फिर 2017 में जो चुनाव हुए उसके बाद से कांग्रेस उत्तराखंड में आई ही नहीं।

कांग्रेस के मठाधीशों की यह कहानी लंबी है। लेकिन इसका तोड़ बहुत छोटा है। हाईकमान की सख्ती। क्षत्रपों को हमेशा बताते रहना कि कांग्रेस से तुम हो। तुम से कांग्रेस नहीं। कितने उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में तो कमलनाथ पागल ही हो गए थे। खुद को भावी मुख्यमंत्री लिखवाने लगे थे। बुरी तरह हरवाया मध्य प्रदेश। फिर बेटे को लेकर बीजेपी में जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस अभी भी उन पर कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं कर रही।

हरियाणा में क्या हुआ? कई दिनों तक कुमारी सैलजा कोप भवन में बैठी रहीं। भाजपा और बीएसपी प्रचार करते रहे कि दलित का अपमान हुआ है। मगर सैलजा ने कांग्रेस के पक्ष में कुछ नहीं बोला। उल्टे चौनल चौनल जाकर रोती रहीं कि मुझे टिकट नहीं दिया। इन्चार्ज मुझसे बात नहीं करते हैं। हुड्डा के समर्थक अपने चुनाव प्रचार में बुलाते नहीं।

दूसरे महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने भी इसी राग को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री बनना है। सैलजा को भी बनना। सुरजेवाला को भी भूपेन्द्र हुड्डा अटल बिहारी वाजपेयी का डायलग ले आएज् न टायर्ड हूं न रिटायर। डायलग भी अपने नहीं ला पाते। वह भी बीजेपी के।और सब मुख्यमंत्री बनने के लिए चौनल दर चौनल इंटरव्यू देने लगे। गोदी मीडिया की चांदी हो गई। तीनों के खूब इंटरव्यू लिए और गुटबाजी को खूब हवा दी।अब बीजेपी जीत गई। जिसकी उम्मीद खुद मोदी और अमितशाह को नहीं थी। सारे एक्जिट पोल, ग्राउन्ड रियलटी सब चीख चीख कर कह रहे थे कि बीजेपी गई। वह आ गई।

क्या मतलब? विश्लेषण अभी बहुत होंगे। कांग्रेस भाजपा दोनों को करीब करीब बराबर वोट मिले हैं। 39– 39 प्रतिशत। भाजपा के केवल 0.8 (पाइंट आठ) प्रतिशत ज्यादा हैं। मगर भाजपा से नाराज लोगों का वोट बंटा। करीब 20 प्रतिशत वोट बाकी दलों जो सब भाजपा के खिलाफ लड़ रहे थे मिला। और वह अगर यह मान लें कि कांग्रेस के मैनेजमेंट के बाहर की चीज थी। जो वास्तव में थी नहीं, कुछ किया जा सकता था। अगर समय रहते समझते तो। लेकिन चलिए वह छोडिए जो यह मुख्यमंत्री बनने पर बयानबाजी और कांग्रेस को दलित विरोधी साबित करने का खेल हुआ यह हार का निर्णायक कारण रहा।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी विशेष कार्य के प्रति चल रहे प्रयासों के आज बेहतर परिणाम मिलेंगे। लेकिन अपने उसूलों के साथ आप किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे।

वृष राशि–

आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके नए विचार और जागरूकता आपके आत्मविश्वास और आत्मबल को बढ़ाएंगे। आज कोई रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

मिथुन राशि–

आज का दिन उत्तम बना रहेगा। अपने करियर को लेकर आप थोड़ा उलझन में होंगे। आप अपने गुरु से करियर के बारे में परामर्श ले सकते हैं। आज कार्यस्थल के कामों में उलझनें आएंगी, लेकिन समस्याओं सेनिजात पाने का रास्ता भी ढूंढ लेंगे। नौकरी में कार्यभार संबंधित कुछ दिक्कतें आएंगी।

कर्क राशि–

आज का दिन परिवार वालों के साथ बितेगा। आज आपको जो अच्छा लगता है, उस काम में समय बीताएं। इससे आपको शांति और ऊर्जा मिलेगा। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से सुख की प्राप्ति होगी।

सिंह राशि–

आज का दिन सफलता मिलने वाला है। इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों के लिए आज जॉब के अच्छे ऑफर मिल सकते है। आज दिखावे की प्रवृत्ति की वजह से बेवजह के कामों में खर्च हो सकता है, अपने बजट को नजरअंदाज ना करें।

कन्या राशि

आज का दिन अच्छा रहेगा। आपको बिजनेस में कोई बड़ी डील मिल सकती है। इससे आपको धनलाभ हो सकता है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है।

तुला राशि–

आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। आज कोई अच्छी सुचना मिलने से मन खुश रहेगा। आज परिवार के साथ शॉपिंग आदि में भी बेहतरीन समय बीतेगा। आज कोई लक्ष्य हासिल करने में किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि–

आज का दिन दोस्तों के साथ बितेगा। आज पिछले कुछ समय से चल रही कड़ी मेहनत के आज उचित परिणाम मिलने वाले हैं। आपको अपनी छवि और अधिक बेहतर बनाने का मौका भी मिलेगा। किसी समस्या का समाधान मिलने में किसी प्रिय मित्र का विशेष सहयोग रहेगा। आज कोई भी बड़ा फैसला ना ले।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम को लेकर आपकी तारीफ कर सकते है।

मकर राशि–

आज आपका दिन बढिया रहेगा। आज किसी काम में जीवनसाथी और परिवार जनों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप भी अपनी व्यस्ततम दिनचर्या में से घर परिवार के लिए समय जरूर निकालेंगे। आज बेवजह की नोकझोंक और वाद–विवाद से दूर रहेंगे तो आपका मानसिक सुकून बना रहेगा।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको कई दिनों से रूके हुए काम में सफलता मिल सकती है। परिवार में किसी विशेष कार्य को लेकर आपसी वार्तालाप होगा। लिए आज का दिन शुभ है।

मीन राशि–

आज का दिन स्टूडेंट के लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं।

भारत के उच्चायुक्त और राजनयिक पर ऐसा क्या कर दिया, भड़क गई मोदी सरकार

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे के लिए जिम्मेदार ठहराती है जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। चूंकि प्रधान मंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद, कनाडाई सरकार ने भारत सरकार के साथ सबूत का एक टुकड़ा भी साझा नहीं किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडा को जमकर सुनाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे एक राजनयिक संदेश मिला। इस संदेश में कहा गया है कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक जांच से संबंधित मामले में रुचि के व्यक्ति (पर्सन ऑफ इंट्रेस्ट) हैं। रुचिकर व्यक्ति आमतौर पर रुचिकर व्यक्ति वह होते हैं, जो किसी आपराधिक मामले में संदिग्ध होते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे के लिए जिम्मेदार ठहराती है जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। चूंकि प्रधान मंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद, कनाडाई सरकार ने भारत सरकार

के साथ सबूत का एक टुकड़ा भी साझा नहीं किया है। यह नवीनतम कदम उन बातचीतों के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे सामने आए हैं। इससे इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है कि जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए भारत पर कीचड़ उछालने की एक सोची–समझी रणनीति है। प्रधानमंत्री ट्रूडो की भारत के प्रति शत्रुता लंबे समय से साक्ष्य में है। 2018 में उनकी भारत यात्रा, जिसका उद्देश्य वोट बैंक का समर्थन करना था, ने उनकी बेचैनी को बढ़ा दिया। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्तियों को शामिल किया गया है जो भारत के संबंध में खुले तौर पर चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से जुड़े हैं। दिसंबर 2020 में भारतीय आंतरिक राजनीति में उनके नग्न हस्तक्षेप से पता चला कि वह इस संबंध में कितनी दूर तक जाने को तैयार थे। यह कि उनकी सरकार एक राजनीतिक दल पर निर्भर थी, जिसके नेता खुले तौर पर भारत के संबंध में अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करते हैं, इससे मामला और बिगड़ गया। कनाडा की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप पर आंखें मूंद लेने के लिए आलोचना झेल रही उनकी सरकार ने नुकसान को कम करने के प्रयास में जानबूझकर भारत को शामिल किया है। भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाला यह नवीनतम घटनाक्रम अब उसी दिशा में अगला कदम है। यह कोई संयोग नहीं है कि यह तब हो रहा है जब प्रधान मंत्री ट्रूडो को विदेशी हस्तक्षेप पर एक आयोग के सामने पेश होना है। यह भारत विरोधी अलगाववादी एजेंडे को भी पूरा करता है जिसे ट्रूडो सरकार ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए लगातार बढ़ावा दिया है। ट्रूडो सरकार ने जानबूझकर हिंसक चरमपंथियों और आतंकवादियों को कनाडा में भारतीय राजनयिकों और समुदाय के नेताओं को परेशान करने, धमकाने और डराने के लिए जगह प्रदान की है। इसमें उन्हें और भारतीय नेताओं को जान से मारने की धमकी भी शामिल है। इन सभी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर उचित ठहराया गया है। कनाडा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले कुछ व्यक्तियों को नागरिकता के लिए तेजी से ट्रैक किया गया है। कनाडा में रहने वाले आतंकवादियों और संगठित अपराध के नेताओं के संबंध में भारत सरकार के कई प्रत्यर्पण अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया है। उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा 36 वर्षों के प्रतिष्ठित करियर के साथ भारत के सबसे वरिष्ठ सेवारत राजनयिक हैं। वह जापान और सूडान में राजदूत रहे हैं, जबकि इटली, तुर्किये, वियतनाम और चीन में भी कार्यरत रहे हैं। कनाडा सरकार द्वारा उन पर लगाए गए आक्षेप हास्यास्पद हैं और उनके साथ अवमानना घ्घ्घ्की जानी चाहिए। भारत सरकार ने भारत में कनाडाई उच्चायोग की गतिविधियों का संज्ञान लिया है जो वर्तमान शासन के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करती है। इससे राजनयिक प्रतिनिधित्व के संबंध में पारस्परिकता के सिद्धांत का कार्यान्वयन हुआ। भारतीय राजनयिकों के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने की कनाडाई सरकार की इन नवीनतम कोशिशों के जवाब में अब भारत के पास आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है।

जयशंकर के साथ मीटिंग के लिए बेकरार शहबाज! 9 साल बाद पाकिस्तान में उतरा भारत का प्लेन

पाकिस्तान में बड़े स्तर पर मंत्री अलग अलग तरह से इस बात को उठाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के साथ पाकिस्तान की कोई द्विपक्षीय बातचीत हो जाए। हालांकि ऐसा होना असंभव है क्योंकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खुद ये कह चुके हैं कि वो पाकिस्तान द्विपक्षीय बातचीत के लिए नहीं जा रहे हैं। इस पर बहुत नाउम्मीदी के साथ पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रतिक्रिया भी दी गई। जिसका इंतजार पाकिस्तान को था आखिरकार वो पल उसके नसीब में आ ही गया। 9 साल के अंतराल के बाद पहली बार भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की सरजमीं पर उतर चुका है। शंघाई कॉरपोरेशन आर्गनाइजेशन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जयशंकर से पहले उनका प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच चुका है। एससीओ बैठक से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल की तैयारियां पाकिस्तान में शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही पाकिस्तान में शंघाई ऑर्गनाइजेशन कॉरपोरेशन के शिखर सम्मेलन का सिलसिला। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस्लामाबाद दौरे से पाकिस्तान बहुत उत्सुक है। पाकिस्तान में बड़े स्तर पर मंत्री अलग अलग तरह से इस बात को उठाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के साथ पाकिस्तान की कोई द्विपक्षीय बातचीत हो जाए। हालांकि ऐसा होना असंभव है क्योंकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खुद ये कह चुके हैं कि वो पाकिस्तान द्विपक्षीय बातचीत के लिए नहीं जा रहे हैं। इस पर बहुत नाउम्मीदी के साथ पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रतिक्रिया भी दी गई। शहबाज बैठक को बेकरार पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज बलोच ने भी कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर अपना जवाब बता चुके हैं। यानी ये साफ हो चुका कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। लेकिन फिर भी पिछले कई दिनों से भारत–पाकिस्तान में बातचीत को लेकर खबरें चल रही है। इन सब के बीच एक नई जानकारी सामने आ रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय बाचतीच करने वाले हैं। शहबाज के शेड्यूल को लेकर इस्लामाबाद की तरफ से मीडियो रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है। विभिन्न देशों के साथ उनकी द्विपक्षीय बाचतीच का जिक्र है। ये तो कोई नहीं जानता कि भारत के विदेश मंत्री के साथ भी क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्विपक्षीय बाचतीच रखने वाले हैं या नहीं। लेकिन इतना जरूर साफ है कि कोशिशें पाकिस्तान ने नहीं छोड़ी हैं। इससे पहले

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज भी कुछ ऐसा ही कहती नजर आईं हैं। अपने देश में बिगड़ते हालात और क्लाइमेट को लेकर मरियम नवाज ने कहा था कि भारत के साथ क्लाइमेट चेंज को लेकर बातचीत होनी चाहिए। लंबे वक्त से पाकिस्तान का कोई न कोई अधिकारी या मंत्री इस बात की पैरवी करता आया है कि भारत के साथ विभिन्न मुद्दों पर पाकिस्तान को बातचीत करनी चाहिए। व्यापार को लेकर पाकिस्तान इस वक्त सबसे ज्यादा चिंतित है। उससे भी ज्यादा इस बात की कि पड़ोसी मुल्क भारत के साथ उसकी स्थिति अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। यही वजह है कि पाकिस्तान इस उम्मीद में है कि किसी तरह मुलाकात के जरिए दोनों के बीच के तनाव को कम किया जाए। एससीओ क्या है? शंघाई सहयोग संगठन एक स्थायी अंतरसरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 15 जून 2001 को शंघाई, चीन में की गई थी। 2017 में भारत और पाकिस्तान को शामिल करने के साथ जल्द ही इसका विस्तार नौ देशों तक हो गया। रूस ने एक दीर्घकालिक रणनीतिक भागीदार के रूप में भारत के प्रवेश का समर्थन किया।

चीन ने भी शक्ति संतुलन को रूस के पक्ष में झुकने से रोकने के लिए अपने सहयोगी पाकिस्तान का समर्थन किया। भारत को 2005 में एससीओ में पर्यवेक्षक बनाया गया था और उसने आम तौर पर समूह की मंत्री–स्तरीय बैठकों में भाग लिया है, जो मुख्य रूप से यूरेशियन क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित हैं। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

ट्रंप को आखिर कौन मारना चाहता है ? कैलिफोर्निया रैली के बाहर हथियारों के साथ शख्स गिरफ्तार

बियांको ने कहा कि वाहन के चालक ने पत्रकार होने का दावा किया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया क्योंकि उसके पास कोई वैध प्रमाणपत्र नहीं थे। पुलिस ने देखा कि वाहन का अंदरूनी हिस्सा अस्त–व्यस्त था और तलाशी में हथियार एवं गोला–बारूद के साथ–साथ विभिन्न नामों वाले कई पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुए। उन्होंने एक बयान में कहा कि व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और इसी साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लकिन नेता के तौर पर चनाव लड़ रहे डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। कैनिफोर्निया में ट्रंप की रैली के बाहर हथियारों के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार

किया गया है। हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं है। ऐसा पहले भी हुआ है। ट्रंप की सुरक्षा में चूक की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। उसके वाहन से हथियार एवं गोला बारूद तथा कई फर्जी पासपोर्ट बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को 5,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत पर उसी दिन रिहा भी कर दिया गया। संदिग्ध को लॉस एंजिल्स में पूर्व राष्ट्रपति की रैली में भाग लेने के लिए जाना था, लेकिन स्थान पर नियुक्त प्रतिनिधियों ने उसे रोक दिया। बियांको ने कहा कि वाहन के चालक ने पत्रकार होने का दावा किया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया क्योंकि उसके पास कोई वैध प्रमाणपत्र नहीं थे। पुलिस ने देखा कि वाहन का अंदरूनी हिस्सा अस्त–व्यस्त था और तलाशी में हथियार एवं गोला–बारूद के साथ–साथ विभिन्न नामों वाले कई पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुए। उन्होंने एक बयान में कहा कि व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। बियांको ने संदिग्ध के इरादों या उसकी मनोदशा के बारे में अटकलें लगाने से इनकार कर दिया। रैली स्थल के करीब एक और सुरक्षा चौकी को 'सीक्रेट सर्विस' संचालित कर रहा था। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का अनुमान है कि इस घटना से सुरक्षात्मक कार्यों पर कोई असर नहीं पड़ा और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को कोई खतरा नहीं था। उन्होंने कहा कि इस समय कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन जांच जारी है। ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम ने इस गिरफ्तारी पर टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जयशंकर के पहुंचने से पहले इस्लामाबाद में तैनात हुई सेना, 16 अक्टूबर तक स्कूल–कालेज बंद और शादियों पर भी रोक

जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा 2015 में उनकी पूर्ववर्ती सुषमा स्वराज के बाद नौ वर्षों में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली यात्रा है। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद आने वाले लगभग 900 एससीओ प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए 10,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए हैं।पाकिस्तान कड़े सुरक्षा उपायों के बीच 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में उच्च स्तरीय 23वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत से चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, रूस से 76 प्रतिनिधि और चीन से 15 प्रतिनिधि पहले ही पाकिस्तानी राजधानी पहुंच चुके हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के पाकिस्तान जा रहे हैं। जहां जयशंकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और सीमा पार आतंकवाद से संबंधित भारत की चिंताओं को उठाएंगे। भारतीय विदेश मंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत–पाकिस्तान संबंधों पर कोई चर्चा नहीं होगी और उनकी यात्रा संक्षिप्त होने की उम्मीद है। जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा

2015 में उनकी पूर्ववर्ती सुषमा स्वराज के बाद नौ वर्षों में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली यात्रा है। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद आने वाले लगभग 900 एससीओ प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए 10,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए हैं। इसने 5 से 17 अक्टूबर तक इस्लामाबाद में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना की टुकड़ियों को भी तैनात किया है। संघीय सरकार ने प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 14 अक्टूबर से राजधानी में तीन दिन की छुट्टी की भी घोषणा की है। शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जयशंकर, चीनी प्रधान मंत्री ली कियांग, रूसी प्रधान मंत्री मिखाइल मुशुस्तीन और ईरानी उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर की उपस्थिति में एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक को संबोधित करेंगे। सीएचजी बैठक संगठन के प्रदर्शन का आकलन करेगी और वाणिज्य, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक–सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्रों में वर्तमान सहयोग के बारे में बात करेगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चूंकि बैठकें रावलपिंडी और इस्लामाबाद में होनी हैं, इसलिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए 17 अक्टूबर तक रावलपिंडी में धारा 144 लागू कर दी है। इनका उद्देश्य उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रकार की राजनीतिक सभाओं, सभाओं, धरने, रैलियों, प्रदर्शनों और इसी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाना है। इसके अलावा, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने घोषणा की कि सुरक्षा उपायों के तहत इस्लामाबाद में उसके कार्यालय 14–16 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। इससे पहले, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शिखर सम्मेलन के सिलसिले में 14 से 16 अक्टूबर तक तीन दिवसीय बंद की घोषणा की थी।

इजराइल में ड्रोन हमले में लगभग 40 लोग घायल, हिज्बुल्ला ने जिम्मेदारी ली

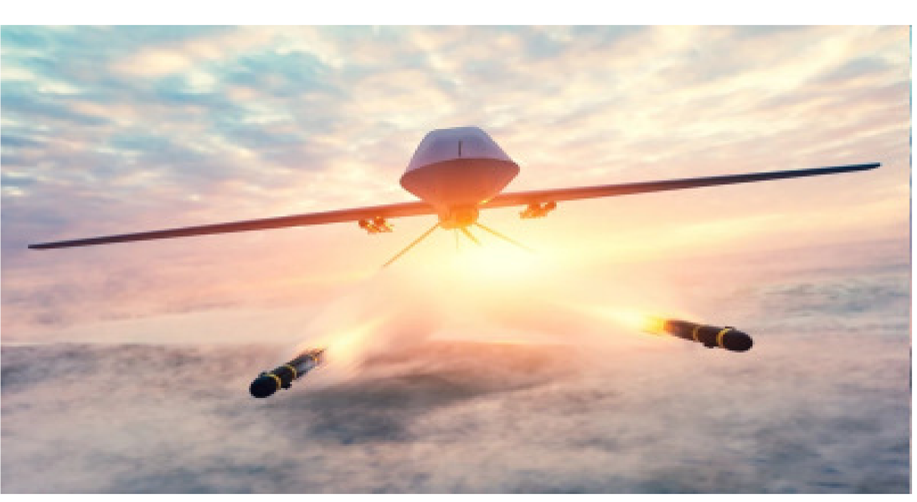

हिज्बुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने बृहस्पतिवार को बेरूत में इजराइल की ओर से किए गए दो हमलों के जवाब में इजराइल की सेना के एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। इजराइली बचाव सेवा ने कहा कि बिनयामीना शहर में हुए ड्रोन हमले में लगभग 40 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी ली है।इजराइल की उन्नत वायु–रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है।इजराइली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से दो ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक।हज्बुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने बृहस्पतिवार को बेरूत में इजराइल की ओर से किए गए दो हमलों के जवाब में इजराइल की सेना के एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले दो दिन में यह दूसरी बार है जब इजराइल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के एक उपनगर में एक ड्रोन हमला किया गया, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

श्रीलंका में बाढ़ से एक लाख 34 हजार लोग प्रभावित, कोलंबो में स्कूल बंद किए गए

अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। पीड़ितों को बचाने और भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना तथा सेना के जवान तैनात हैं।श्रीलंका में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आ गई, तथा सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, सप्ताहांत में हुई भारी बारिश ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा दी है और यहां घर, खेत तथा सड़कें जलमग्न हो गई हैं।बाढ़ में तीन लोग डूब गए हैं, जबकि करीब एक लाख 34 हजार लोग इससे प्रभावित हुए हैं। केंद्र ने कहा कि बारिश और बाढ़ से 240 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं तथा करीब सात हजार लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। पीड़ितों को बचाने और भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना तथा सेना के जवान तैनात हैं। स्थानीय टेलीविजन चौनलों ने कोलंबो के उपनगरीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति दिखाई। कुछ इलाकों में पानी घरों और दुकानों की छतों तक पहुंच गया। श्रीलंका में मई से ही मॉनसून की बारिश के कारण स्थिति खराब है। जून में यहां बाढ़ आ जाने और भूस्खलन के कारण 16 लोगों की मौत हो गई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू का अल्जीरिया में गर्मजोशी से स्वागत किया गया

अल्जीयर्स पहुंचीं, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। स्वयं अल्जीरिया के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत रविवार को अल्जीरिया पहुंचीं, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भारत की राष्ट्रपति के 'एक्स' पर आधिकारिक अकाउंट से साझा की गई 'पोस्ट' में कहा गया, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में अल्जीयर्स, अल्जीरिया पहुंचीं। यह भारत के किसी राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है।''पोस्ट में कहा गया, ''हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति की अगवानी स्वयं अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन ने की। अल्जीरिया की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी इस दौरान मौजूद थे। राष्ट्रपति का गर्मजोशी से औपचारिक स्वागत किया गया।''विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में अल्जीयर्स पहुंचीं, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। स्वयं अल्जीरिया के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।''राष्ट्रपति रविवार को अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा पर

रवाना हुईं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत–अफ्रीका संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की यह पहली यात्रा होगी।

बार्डर-गावस्कर ट्राफी से पहले आस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, चोटिल होने के कारण ये आलराउंडर बाहर

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्चरी करानी होगी और पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह कम से कम 6 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्चरी करानी होगी और पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह कम से कम 6 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इसका मतलब है कि वह केवल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ही नहीं बल्कि श्रीलंका दौरे और चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वह इंडियन प्रीमियर लगी 2025 से भी बाहर हो सकते हैं।इस बीच इंडिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित हो गई है। युवा खिलाड़ी सैम कोंस्टास इस महीने के आखिरी में इंडिया ए के खिलाफ होने वाले मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चुने गए हैं। इसके साथ ही वह टेस्ट टीम में चुने जाने की रेस में आ गए हैं। नेशनल सिलेक्शन पैनल ने सोमार को दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की। भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मद्देनजर सीरीज अहम है। ग्रीन के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के टॉप 6 में जगह खाली है। ऑलराउंडर के उपलब्ध न होने पर स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर खेलते दिख सकते हैं। उस्मान ख्वाजा को नया ओपनिंग पार्टनर मिल सकता है। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट स्मिथ को फिर से नंबर 4 पर खिलाने का विचार हो रहा है।

गंभीर मौके पर टीम इंडिया को गौतम ने दिलाई जीत, सियासत में भी दिखा चुके हैं दमखम

आज यानी की 14 अक्तूबर को टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय क्रिकेट टीम कई नए इतिहास रचने को तैयार हैं। आज यानी की 14 अक्तूबर को टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय क्रिकेट टीम कई नए इतिहास रचने को तैयार हैं। गौतम गंभीर भारतीय टीम को एक नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश में लगे हैं। न सिर्फ क्रिकेट की दुनिया में अपना परचम लहराने वाले गौतम गंभीर दिल्ली से भाजपा के सांसद भी रह चुके हैं। हालांकि भारत के हेड कोच बनने के लिए गंभीर ने इस पद से रिजाइन दे दिया था। इस समय उनका फुल फोकस भारतीय टीम की परफेक्ट कोचिंग में हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर पूर्व बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...डेब्यू मैच बता दें कि क्रिकेटर ने महज 10 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरूकर दिया था। उन्होंने सिर्फ 22 साल की उम्र में भारतीय टीम के लिए खेलना शुरूकर दिया था। साल 2003 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच से अपने करियर की शुरूआत की थी। साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच से डेब्यू किया था। शानदार रहा इंटरनैशनल करियर गौतम गंभीर बाएं हाथ के ओपनर हैं। जिन्होंने 147 टेस्ट में 11 शतकीय पारी की मदद से 5238 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 206 रन की पानी सबसे यादगार रहे। गंभीर ने 58 वनडे खेले हैं और इस फॉर्मेट में उनके 4,154 रन हैं। इस फॉर्मेट में क्रिकेटर ने 9 शतक और 22 अर्धशतक जड़े हैं। गंभीर ने 37 टी20 में कुल 932 रन बनाए। इसके अलावा साल 2007 के विश्व कप में गौतम गंभीर ने पाकिस्तान के खिलाफ 75 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली थी। पाकिस्तान को धोया टी20 वर्ल्ड कप 2007 के दौरान गौतम गंभीर ने बेहद शानदार पारी खेली थी। पाक के खिलाफ फाइनल मैच में गंभीर ने 75 रन की पारी खेली थी। जिसके कारण भारतीय टीम 20 ओवर में 157 रन बनाने में सफल रही थी। इस दौरान भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर पहली बार हुए टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम करने का काम किया था। इस मैच में गंभीर की पारी को सबसे यादगार पल माना जाता है। वर्ल्ड कप भले ही साल 2011 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में महेंद्र सिंह धोनी को विनिंग सिक्स के लिए काफी सराहना मिली थी। लेकिन इस मैच में गंभीर की पारी को भी भुलाया नहीं जा सकता है। गौतम गंभीर ने वर्ल्ड कप के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर 97 रन बनाए थे। गंभीर 3 रन से शतक बनाने से चूक गए थे। लेकिन उनकी पारी से ही भारतीय टीम अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल रही थी।भारत के बतौर हेड कोच गंभीर काफी शानदार दिख रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट और टी20 सीरीज खेली है, इस दौरान टीम इंडिया ने दोनों ही फॉर्मेट में बांग्लादेश टीम का सूपड़ा साफ कर दिया। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम अपना लगातार शानदार खेल दिखा रही है।

पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर महेला जयवर्धने फिर मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच नियुक्त

मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी से पहले बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। जयवर्धने ने 2017-2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ इसी भूमिका में जुड़े हुए थे। फ्रेंचाइजी ने 2017, 2019 और 2020-21 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। मुंबई । पांच बार की आईपीएल चौंपियन मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी से पहले बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। जयवर्धने 2017-2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ इसी भूमिका में जुड़े हुए थे। फ्रेंचाइजी ने 2017, 2019 और 2020-21 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने 2023 चरण में नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया लेकिन इस साल उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिसमें टीम 14 मैच में से केवल चार में ही जीत दर्ज कर पाई। जयवर्धने ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, "मुंबई इंडियंस परिवार में मेरी यात्रा हमेशा विकास करने की रही है। 2017 में ध्यान सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक ग्रुप बनाने पर था और हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।" उन्होंने कहा, "अब वापसी में उसी भूमिका में मुंबई इंडियंस के इतिहास में योगदान देना जारी रखने का मौका एक रोमांचक चुनौती है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है-संजू सैमसन

'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान)मुझ पर भरोसा बनाई रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।''भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया। सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान)मुझ पर भरोसा बनाई रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।'' इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।'' सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा,''मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।'' सैमसन ने कहा,''इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।'' सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा,''मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।'' सैमसन ने कहा,''जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।

आस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली और गेंदबाज टेयला व्लामिनक हुईं चोटिल, भारत को मिलेगा फायदा

अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है, लेकिन शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद टीम को बड़ा झटका लगा है। कप्तान एलिसा हीली और गेंदबाज टेयला व्लामिनक की चोटिल हो गई है। कंगारू टीम को भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच खेलना है।ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है, लेकिन शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद टीम को बड़ा झटका लगा है। कप्तान एलिसा हीली और गेंदबाज टेयला व्लामिनक की चोटिल हो गई है। कंगारू टीम को भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच खेलना है। दुबई में शुक्रवार को पाकिस्तान को मात्र 82 रनों पर हरा दिया। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाय की कप्तान एलिसा हीली को दूसरा रन लेते समय चोट लग गई। उनको पिंडली की समस्या के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। 37 रन पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद एलिसा पेरी ने डिफेंडिंग चौंपियन को मात्र 11 ओवर में आसान जीत दिलाई। इसके साथ ही टीम के 6 अंक हो गए और उसका अंतिम चार में पहुंचना लगभग पक्का हो गया। मैच के पहले ओवर में फील्डिंग करते समय व्लामिंक का दाहिना कंधा उखड़ गया। दुनिया की सबसे तेज महिला गेंदबाज व्लामिंक को टूर्नामेंट में पहली बार खेलने का मौका मिला था लेकिन मैच की सिर्फ चार गेंद बाद ही वह चोटिल हो गईं। थर्ड मैन बाउंड्री की ओर गेंद का पीछा करते हुए इस खिलाड़ी का बायां घुटना को टर्फ में फंस गया और उनका कंधा चोटिल हो गया।

बेटी सारा के जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर ने अनदेखी तस्वीर शेयर किया भावुक पोस्ट, भाई अर्जुन ने भी दी बधाई

सचिन ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं, जहां पहली तस्वीर में सारा बहुत छोटी सी उनकी गोद में बैठी हुई हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह सारा के साथ सोफे पर बैठे हुए हैं जहां उनके दो पालतू कुत्ते भी दिख रहे हैं। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर 12 अक्टूबर को अपना 27वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर सचिन ने बेटी की अनदेखी तस्वीर शेयर कर दिल छूने वाला कैप्शन लिखा। वहीं भाई अर्जुन ने भी बहन के लिए पोस्ट किया। बता दें कि, सचिन ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं, जहां पहली तस्वीर में सारा बहुत छोटी सी उनकी गोद में बैठी हुई हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह सारा के साथ सोफे पर बैठे हुए हैं जहां उनके दो पालतू कुत्ते भी दिख रहे हैं। सचिन ने कैप्शन में लिखा कि, एक छोटे से वंड से लेकर एक वंडरफुल और तक, तुमने मुझे हमेशा एहसास दिलाया है कि मैं कि कितना लकी हूं कि तुम मेरी जिंदगी में हो। तुम्हारी वजह से मेरा दिल प्यार से भर जाता है। जन्मदिन मुबारक सारा। सचिन के साथ भाई अर्जुन ने भी बहन सारा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है।

शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर दिखते हैं ऐसे लक्षण, हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होने लगती है, तो बॉडी में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि शरीर में प्रोटीन की कमी होने से किस तरह के लक्षण नजर आते हैं। स्वस्थ रहने के लिए प्रोटीन का सेवन करना बहुत जरूरी है। क्योंकि अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल रहा है, तो इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बता दें कि रोजाना शरीर को कैलोरी का कम से कम 10 प्रतिशत प्रोटीन लेना जरूरी होता है। इसको आप अपनी डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं। आप नाश्ते में एक कप दही ले सकते हैं, दोपहर में स्किनलेस चिकन ब्रेस्ट या दाल का सेवन करें, रात को खाने में एक कप बीन्स का सेवन करें। बता दें कि इससे शरीर में प्रोटीन की कमी नहीं होती है। लेकिन अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होने लगती है, तो बॉडी में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शरीर में प्रोटीन की कमी होने से किस तरह के लक्षण नजर आते हैं। शरीर में प्रोटीन की कमी का सबसे बड़ा संकेत सूजन का होना है। जिसको एडिमा भी कहा जाता है। ऐसा होने से आपके शरीर में खासतौर पर पैर, पेट और हाथों में सूजन की समस्या होनी शुरू हो जाती है। मूड स्धविंग होना अगर आपका भी मूड बार-बार बदलता रहता है या आप बात-बात पर गुस्सा या परेशान रहते हैं, तो आपकी शरीर में प्रोटीन की कमी हो सकती है। दरअसल, शरीर में प्रोटीन की कमी होने से न्यूरोट्रांसमीटर नहीं बन पाता है, जो हमारे दिमाग के काम करने के तरीके को स्थिर बनाता है और ये बार-बार बदलता है। जबकि प्रोटीन की कमी से सेरोटोनिन और डोपोमाइन का लेवल कम होने लगता है। ऐसे में आप आक्रामक या उदास महसूस कर सकते हैं। बाल, स्किन और नाखूनों पर असर शरीर में प्रोटीन की कमी होने से इसका बालों, नाखूनों पर त्वचा पर भी असर देखने को मिलता है। प्रोटीन की कमी से कोलेजन, केरोटिन और इलास्टिन जैसे प्रोटीन नहीं बन पाते हैं। जिसकी वजह से बाल पतले, स्किन ड्राई और नाखूनों पर निशान आने लगते हैं। कमजोरी और थकान शाेध में मिला जानकारी के अनुसार, अगर आप सिर्फ एक सप्ताह प्रोटीन का सेवन नहीं करते हैं, तो आपको मूवमेंट और पोस्चर में फर्क आने लगता है। इससे आपकी मसल्स कमजोर होने लगती हैं। अगर आप 55 साल या इससे अधि ाक उम्र के हैं, तो आपको मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है और एनीमिया की समस्या होने लगती है। सेल्स तक ऑक्सीजन न पहुंचने से आपको जल्दी थकान महसूस होने लगती है। घाव का ध ीमी गति से भरना बता दें कि जिन लोगों में प्रोटीन का मात्रा कम पाई जाती है। अक्सर उनकी चोट या खरोंचें ठीक होने में काफी समय लग जाता है। इन लोगों को आसानी से मोच या इंजूरी हो जाती है। इसका मुख्य कारण बॉडी में पर्याप्त कोलेजन नहीं बनना है और इम्यूनिटी भी कम हो जाती है।

खाली पेट पपीता का सेवन किसी रामबाण से कम नहीं है, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

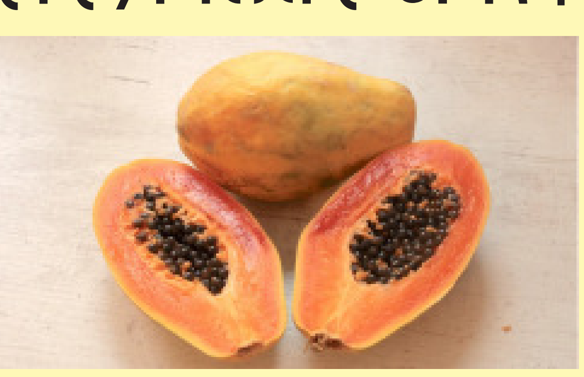

अगर सुबह की शुरुआत आप हेल्दी नाश्ते से करते हैं तो आपकी सेहत भी काफी बढ़िया रहती है। ब्रकेफास्ट में आप पपीता खाते हैं तो शरीर को कई फायदे मिलते हैं। पपीता कई पोषक तत्वों से भरा हुआ होता है। वहीं, पपीता के सेवन से पाचन दुरुस्त रहता है। आइए जानते हैं पपीता खाना सेहत के लिए कितना फायदेमंद है। स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ आदतें को अपनाना काफी जरुरी होता है। अगर सुबह की शुरुआत हेल्दी खाने से की जाए, तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। रोजाना खाली पेट पपीता खाने से सेहत को जबरदस्त फायदे मिलते हैं। पपीता न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस होता है, इसके सेवन से सेहत मस्त रहती है। पपीता में विटामिन ए, सी, ई से लेकर माइक्रो न्यूट्रिएंट्स फोलेट, पोटैशियम, कॉपर और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है। इसके साथ ही पपीता डाइजेशन के लिए काफी बढ़िया है। आइए जानते हैं रोजाना खाली पेट नाश्ते में पपीता खाने से क्या होता है? यदि आपको कब्ज की दिक्कत रहती है, खाना भी नहीं पचता और अपच हो जाती है तो पपीता खाएं। पेपिन एंजाइम कब्ज से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही डाइजेशन का बेहतर करता है। खाली पेट पपीता खाने से बॉडी डिटॉक्स होती है। चाहें आप शाम को भी स्नैक्स में पपीता खा सकते हैं। पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब करता शाम को स्नैक्स टाइम पर पपीता खाने से करीब दो घंटे बाद पपीता खाते हैं। यह जरुरी न्यूट्रिएंट्स को तेजी से अब्जॉर्ब करता है। बॉडी डिटॉक्स करता है दरअसल, पपीता में फाइबर की मात्रा बहुत होती है। अगर आप खाली पेट पपीता खाते हैं तो शरीर में फाइबर का कंटेट बढ़ता है और सारे टॉक्सिंस को आसानी से बाहर निकालता है। जिससे बॉडी की सारी गंदगी बाहर आ जाती है। ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता गौरतलब है कि खाली पेट ब्लड शुगर लेवल अचानक से बढ़ने लगता है। ऐसे में सुबह पपीता खाने से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है और ग्लाइसेमिक कंट्रोल में रखता है। भूख कंट्रोल करता है यदि आप खाली पेट ब्रेकफास्ट में पपीता खाते हैं तो इससे पेट भरा हुआ महसूस करता है और भूख शांत रहती है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है। स्किन के लिए फायदेमंद विटामिन सी और ई से भरपूर होता है पपीता। इसके सेवन से स्किन को काफी फायदा होता है। खाली पेट खाने से स्किन के लिए जरुरी न्यूट्रिएंट्स भी बॉडी सोख लेता है। इससे स्किन चमकने लगती है और टाइट बनी रहती है। चेहरे की झुर्रियां भी गायब हो जाती है।

बेहतर गट हेल्थ के लिए इन 4 आसान आदतो को अपनाएं, फालो करें ये टिप्स

अच्छे स्वास्थ्य के लिए बेहतर गट हेल्थ होना काफी जरुरी है। अगर आप इन 4 आदतों को अपनाते है तो गट हेल्थ में सुधर हो जाएगा। आप भी अपने हेल्दी और फिट बॉडी के लिए फॉलो करें ये टिप्स। अगर आप रोजाना इन आदतों को फॉलो करते हैं तो आपका गट हेल्थ में खुद सुधार होगा। जिन लोगों का पेट सही तरीके से साफ नहीं होता वे दिनभर में बार-बार वॉशरुम जाते हैं। खराब पेट के कारण कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए गेट हेल्थ को ठीक करना काफी जरुरी है। इसके लिए आप कुछ आदतों को अपना सकते हैं। अगर आप रोजाना इन आदतों को फॉलो करते हैं तो आपका गट हेल्थ में खुद सुधार होगा।

राम चरण–कियारा आडवाणी की गेम चेंजर क्रिसमस पर नहीं होगी रिलीज

राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत गेम चेंजर अब क्रिसमस पर रिलीज नहीं होगी. फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है. फिल्म की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट ऑफिशियल तौर पर किया गया है. फिल्म निर्माता दिल राजू ने दशहरा के अवसर पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें बताया गया कि गेम चेंजर अब कब रिलीज होगी. तो आइए जानते हैं फिल्म की नई रिलीज डेट. राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर गेम चेंजर पहले क्रिसमस के मौके पर 2024 में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन करते हुए इसे संक्रांति 2025 में रिलीज किया जा रहा है. हाल ही में फिल्म निर्माता दिल राजू ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई. दरअसल भारत और विदेश में डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित कारणों की वजह से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है. इसीलिए मेकर्स ने तय किया कि संक्रांति का टाइम सही रहेगा. इसके अलावा मेकर्स ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गेम चेंजर का पोस्ट प्रोडक्शन का काम इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा. वहीं मेकर्स ने एक और खूशखबरी दी कि दिसंबर के आसपास ही फिल्म का टीजर भी रिलीज किया जाएगा. राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म गेम चेंजर, शंकर द्वारा निर्देशित है और कार्तिक सुब्बाराज की कहानी पर आध ारित है. इस राजनीतिक ड्रामा में राम चरण एक आईएएस अधि कारी की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने आसपास की भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था को साफ करने के लिए काम करते हैं. राम के अलावा, इस पॉलीटिकल ड्रामा फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि, जयराम, श्रीकांत, सुभलेखा सुधाकर, सुनील, नासर और कई अन्य कलाकार खास रोल में हैं. वर्कफ्रंट की बात करें

तो राम चरण निर्देशक बुची बाबू सना के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसे अस्थायी रूप से आरसी 16 नाम दिया गया है. यह फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है जिसमें जाह्नवी कपूर और शिव राजकुमार अहम रोल में हैं।

रजनीकांत–अमिताभ बच्चन की जोड़ी ने फिर दिखाया कमाल, पहले शनिवार की बंपर कमाई

रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को साथ स्क्रीन शेयर करता देखने के लिए तरस रहे दर्शकों का ख्वाब फिल्म श्वेट्टैयनश के जरिए पूरा हो गया है. श्वेट्टैयनश 10 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई और पर्दे पर आते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई. फिल्म महज दो दिन में 50 करोड़ क्लब का हिस्सा बन गई थी तो वहीं अब वीकेंड पर ये दमदार कमाई कर रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक श्वेट्टैयनश ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 31.7 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 24 करोड़ रुपए कमाए थे वहीं अब तीसरे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसके मुताबिक फिल्म ने पहले शनिवार को कुल 26.1 करोड़ की शानदार कमाई की है. इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर श्वेट्टैयनश का कुल कलेक्शन 81.70 करोड़ रुपए हो गया है. रजनीकांत और अमिताभ बच्चन की

फिल्म श्वेट्टैयनश 4 भाषाओं– तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में रिलीज की गई है. फिल्म की रिलीज के अगले दिन यानी 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट की जिगरा और राजकुमार राव की श्वक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी पर्दे पर आई. हालांकि दोनों फिल्मों की रिलीज का वेट्टैयन पर कोई असर नहीं हुआ और इसका दमदार कलेक्शन जारी है. वेट्टैयन के जरिए रजनीकांत और अमिताभ बच्चन 33 साल बाद एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आए हैं. दोनों ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है जिनमें अंधा कानून, गिरफ्तार और हम शामिल है. टी. जे. ग्नानवेल के डायरेक्शन में बनी फिल्म वेट्टैयन को लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है. फिल्म में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, दुशारा विजयन और रितिका सिंह भी अहम भूमिकाएं अदा करती नजर आए हैं।

आलिया भट्ट की जिगरा की बढ़ी कमाई

आलिया भट्ट एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग के साथ पर्दे पर लौट आई हैं. वेदांग रैना के साथ उनकी फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक ओपनिंग की थी. वहीं दूसरे दिन अब जिगरा के कलेक्शन में इजाफा होता दिखाई दिया है. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और वेट्टैयन के साथ क्लैश के बावजूद फिल्म ने दो दिन में

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है.

सैकनिल्क की मानें तो जिगरा ने पहले दिन 4.55 करोड़ के कलेक्शन के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म की रफ्तार थोड़ी बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.50 करोड़ की दमदार कमाई कर ली. ऐसे में भारत में जिगरा ने अब दो दिन में कुल 11.05 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है.

जिगरा का सामना बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से हुआ था. जिगरा का कलेक्शन फिलहाल राजकुमार राव की फिल्म से कम है. जहां जिगरा ने दो दिन में 11.05 करोड़ रुपए कमाए हैं तो वहीं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के दो दिन का कलेक्शन 12 करोड़ रुपए है. इसके अलावा साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन भी 10 अक्टूबर से सिनेमाघरों में है. ये फिल्म ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है और सिर्फ शनिवार को ही इसने 26.1 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था. जिगरा में आलिया भट्ट और वेदांग रैना लीड रोल्स में हैं. फिल्म को वासन बाला ने डायरेक्ट किया है. रिलीज के बाद फिल्म पर दिव्या खोसला की फिल्म सवी की कॉपी करने का आरोप लगाया जा रहा है. दिव्या खोसला ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाते हुए जिगरा के मेकर्स को इनडायरेक्टली निशाने पर लिया है.

दूसरे दिन बढ़ा राजकुमार की फिल्म का कलेक्शन, जिगरा को पछाड़ छापे इतने नोट

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को रिलीज हो गई है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी और अब दूसरे दिन भी फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है. पहले शनिवार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में इजाफा देखने को मिला है. सैकनिल्क के मुताबिक विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.25 करोड़ रुपए से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म की कमाई बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.75 करोड़ रुपए बटोरे. इस तरह दो दिन में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 12 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से टकराई है. राजकुमार राव की फिल्म ने दूसरे दिन जहां 6.75 करोड़ कमाए हो तो वहीं जिगरा सिर्फ 6.50 करोड़ ही कमा पाई. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने दो दिन के कलेक्शन के साथ जिगरा को पछाड़ दिया है. जहां राजकुमार राव की फिल्म ने 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया तो वहीं जिगरा ने दो दिन में 11 करोड़ रुपए ही कमाए है. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 90 के दशक के दौर के एक कपल की कहानी दिखाती है जिनका सुहागरात का वीडियो वाली सीडी चोरी हो जाती है. राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी फिल्म में लीड रोल में हैं. इसके अलावा विजय राज, मल्लिका शेरावत, टिकी तलसानिया और अर्चना पूरन सिंह अहम रोल अदा करते दिखाई दिए हैं।

दूसरे दिन बढ़ा राजकुमार की फिल्म का कलेक्शन, जिगरा को पछाड़ छापे इतने नोट

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को रिलीज हो गई है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी और अब दूसरे दिन भी फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है. पहले शनिवार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में इजाफा देखने को मिला है.सैकनिल्क के मुताबिक विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.25 करोड़ रुपए से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म की कमाई बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6. 75 करोड़ रुपए बटोरे. इस तरह दो दिन में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 12 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.विक्की विद्या का वो वाला वीडियो बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से टकराई है. राजकुमार राव की फिल्म ने दूसरे

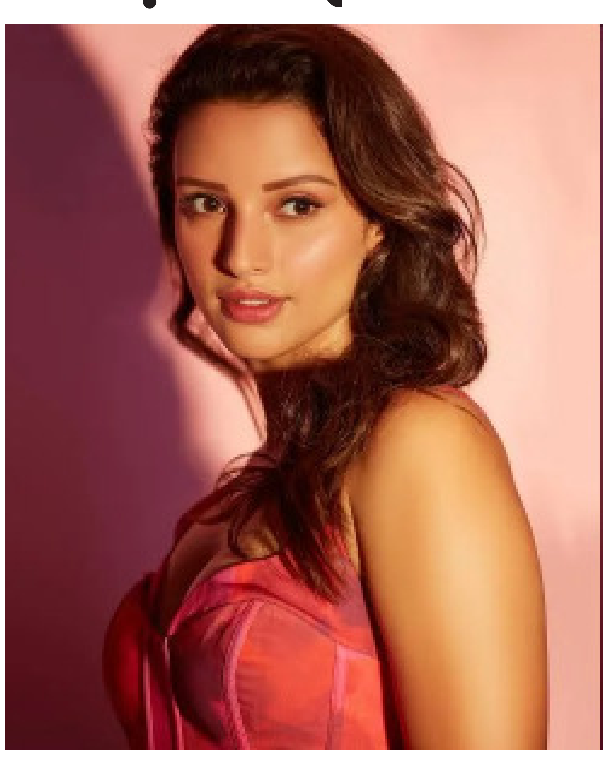

दिन जहां 6.75 करोड़ कमाए तो वहीं जिगरा सिर्फ 6.50 करोड़ ही कमा पाई. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने दो दिन के कलेक्शन के साथ जिगरा को पछाड़ दिया है. जहां राजकुमार राव की फिल्म ने 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया तो वहीं जिगरा ने दो दिन में 11 करोड़ रुपए ही कमाए है.विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 90 के दशक के दौर के एक कपल की कहानी दिखाती है जिनका सुहागरात का वीडियो वाली सीडी चोरी हो जाती है. राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी फिल्म में लीड रोल में हैं. इसके अलावा विजय राज, मल्लिका शेरावत, टिकी तलसानिया और अर्चना पूरन सिंह अहम रोल अदा करते दिखाई दिए हैं.

हवाई जहाज से यात्रा करने वालों के लिए अच्छी खबर, इस बार दीपावली के आसपास कई रूट्स पर 25प्रतिशत तक सस्ते हैं टिकट्स

मुंबई हवाई जहाज से यात्रा करने वालों के लिए अच्छी खबर है। दीपावली के आसपास कई घरेलू रूट्स पर औसत हवाई किराये में पिछले साल की तुलना में 20–25 प्रतिशत की कमी आई है। एक विश्लेषण में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक बढ़ी हुई क्षमता और तेल की कीमतों में हाल में आई गिरावट के चलते कीमतों में कमी आई है। ट्रैवल प्लेटफॉर्म इक्सिगो के विश्लेषण से पता चला कि घरेलू रूट्स पर औसत हवाई किराए में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये कीमतें 30 दिनों की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर एक तरफ के औसत किराए के लिए है। बेंगलुरू–कोलकाता फ्लाइट किराया 38प्रतिशत घटा इस साल बेंगलुरू–कोलकाता फ्लाइट के लिए औसत हवाई किराया 38 प्रतिशत घटकर 6,319 रुपये रह गया है, जो पिछले साल 10,195 रुपये था। चेन्नई–कोलकाता रूट पर टिकट की कीमत 8,725 रुपये से 36 प्रतिशत घटकर 5,604 रुपये रह गई है। मुंबई–दिल्ली फ्लाइट के लिए औसत हवाई किराया 8,788 रुपये से 34 प्रतिशत घटकर 5,762 रुपये रह गया है। इसी तरह, दिल्ली–उदयपुर रूट पर टिकट की कीमतों में 34 प्रतिशत की कमी आई है ।

रोमांटिक केमिस्ट्री, कजोल का फिल्म में दमदार रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और काजोल एक साथ एक ताजा ऑनस्क्रीन जोड़ी बन रही हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सनोन बतौर निर्माता अपनी पहली फिल्म की रिलीज के लिए तैयार हैं। दो पत्तियाँ नामक इस फिल्म से टीवी के दिलों की धड़कन शहीर शेख भी बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और काजोल एक साथ एक ताजा ऑनस्क्रीन जोड़ी बन रही हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सनोन बतौर निर्माता अपनी पहली फिल्म की रिलीज के लिए तैयार हैं। दो पत्तियाँ नामक इस फिल्म से टीवी के दिलों की धड़कन शहीर शेख भी बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। डेब्यू फिल्ममेकर शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित इस फिल्म में काजोल पहली बार पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका में हैं। कृति सेनन ने शहीर शेख के साथ जुड़वाँ बहनों की भूमिका निभाई है, जो अपने रहस्यों को छिपाने के लिए बेताब है। फिल्म की कहानी काल्पनिक पहाड़ी शहर देवीपुर पर आधारित है, जहां पुलिस इंस्पेक्टर विद्या ज्योति प्रतिद्वंद्वी जुड़वां बहनों से जुड़े एक मामले में फंस जाती है। इसमें शहीर शेख की अहम भूमिका में हैं। मनाली में सेट, दो पत्ती एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द–गिर्द घूमती है जो सस्पेंस, थ्रिल और ड्रामा से भरपूर है। शहीर शेख भी बॉलीवुड में डेब्यू काजोल एक सीधी–सादी पुलिस वाली की भूमिका निभाती हैं, जिसे एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने का काम सौंपा गया है। जैसे–जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, दर्शकों को कृति सनोन की सौम्या और शहीर शेख की ध्रुव से मिलवाया जाता है। यह जोड़ा बहुत प्यार करता है, लेकिन जब सौम्या की जुड़वाँ बहन तस्वीर में आती है और उनके निजी और वैवाहिक जीवन में तबाही मचाती है, तो चीजें बिगड़ जाती हैं। कहानी इस बात के इर्द–गिर्द घूमती है कि कैसे ध्रुव को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया जाता है और कैसे काजोल जुड़वाँ बहनों के मामले को सुलझाती है।कृति सनोन और काजोल ने किया प्रभावित कृति सनेन ने एक आधिकारिक बयान में खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता के तौर पर अपनी पहली फिल्म के तौर पर 'दो पत्ति' को क्यों चुना। उन्होंने कहा, "दो पत्ति मेरे लिए बेहद खघस है, सिर्फ इसलिए नहीं कि यह निर्माता के तौर पर मेरी पहली फिल्म है,

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट शूटिंग के बीच खाली समय में क्या करती हैं? किया खुलासा

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने आखिरकार दुनिया के साथ साझा किया है कि जब उनके पास शूटिंग के बीच खाली समय होता है तो वह तस्वीरों के लिए पोज देती हैं और तस्वीरें लेती हैं। जेनिफर ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत जगहों और खाने की कुछ तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में जेनिफर कैमरे के सामने पोज देती हुई और लेंस की तरफ देखकर मुस्कुराती हुई दिख रही थी।

दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री बीच पर सफेद कवर में बैठी हुई दिख रही थी। तीसरी तस्वीर में अभिनेत्री की सिल्हूट की तस्वीर थी। आखिरी तस्वीर में उनके खाने की तस्वीर थी। प्लेट पर लिखे रेस्टोरेंट के नाम से ऐसा लगता है कि अभिनेत्री गोवा में हैं।उन्होंने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, ष्अगर आपने कभी सोचा है कि शूटिंग के बीच में जब मुझे खाली समय मिलता है तो मैं क्या करती हूं? तो यह बिल्कुल वैसा ही है! अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह एक सोफे पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और उन्होंने काले रंग का सूट और गले में सोने की चेन पहन रखी है। उन्होंने कैप्शन में लिखाष्र स्थिर मन और स्थिरता के बीच विंगेट ने 1995 की फिल्म अकेले हम, अकेले तुम से बतौर बाल कलाकार अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने 2002 में शाका लाका बूम–बूम से टेलीविजन पर शुरुआत की। यह बच्चों का फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजन शो है, जिसमें विशाल सोलंकी और हंसिका मोटवानी मुख्य भूमिका में हैं।मुंबई में जन्मी अभिनेत्री ने कुसुम में सिमरन, कोई दिल में है में प्रीति, कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज गिल, क्या होगा निम्मो का में नताशा, कहीं तो होगा में स्वेतलाना की भूमिका निभाई हैं। मेडिकल ड्रामा दिल मिल गए में उनकी भूमिका ने उन्हें प्रमुख स्टारडम हासिल करने में मदद की। शो संजीवनी – ए मेडिकल बून के सीक्वल में उनके पूर्व पति करण सिंह ग्रोवर, शिल्पा आनंद, करण वाही और मोहनीश बहल भी शामिल थे। फिक्शन के अलावा, 39 वर्षीय अभिनेत्री ने रियलिटी शो में भी काम किया है। उन्हें जरा नच के दिखा की विजेता घोषित किया गया था। उन्होंने नचले वे विद सरोज खान, कॉमेडी का महा मुकाबला, लाफ्टर के फटके और देख इंडिया देख जैसे रियलिटी शो की मेजबानी भी की है। वह कानूनी ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में भी काम कर रही हैं।

शहनाज गिल ने सजना वे सजना गाने पर किया जमकर डांस

अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों श्सजना वे सजनाष गाने पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। फिल्म श्विक्की विद्या का वो वाला वीडियोष में शहनाज का छोटा सा कैमियो है। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें वह अपने कोरियोग्राफर शाजिया सामजी और पीयूष भगत के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री इस गाने का हुकस्टेप करती नजर आ रही हैं, जो मूल रूप से करीना कपूर खान और राहुल बोस अभिनीत 2003 की फिल्म चमेली का है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ले तेरी होगी यार, सजना वे सजना। इस गाने के नए वर्जन में शहनाज और राजकुमार राव हैं। इसे सुनिधि चौहान और दिव्या कुमार ने गाया है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में तृप्ति डिमरी, मल्लिका शेरावत, राकेश बेदी और विजय राज भी हैं। फिल्म एक ऐसे जोड़े की कहानी है जो अपनी पहली रात को यादगार के तौर पर फिल्माने का फैसला करते हैं। उन्हें सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जब तक वह सीडी, जिसमें उन्होंने अपना वीडियो स्टोर किया था, सीडी प्लेयर के साथ चोरी नहीं हो जाती। शहनाज के करियर पर प्रकाश डाले तो उन्होंने 2015 के म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। 2017 में, उन्होंने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल इंग्लैंड से अपनी शुरुआत की।वह काला शाह काला, डाका, होन्सला रख, किसी का भाई किसी की जान और हाल ही में थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। शहनाज कई संगीत वीडियो में दिखाई दी हैं – मार कर गई, पिंडन दियां कुड़ियां, जे हां नी करनी, पुत सरदारन दे, लख लांहटा, विया दा चा, जट्ट जान वरदा, गुस्से हो के नहियों सरना, जट्टी हद सेखड़ी, गुंडे इक वार फेर, पेग पौन वेले। गेडी रूट, शोना शोना, और आदत। उनके पास पाइपलाइन में सब फर्स्ट क्लास भी है। अभिनेत्री को बिग बॉस 13 के बाद स्टारडम मिला। शो के विजेता और दिवंगत स्टार सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों ने खूब पसंद की और उन्हें प्यार से सिडनाज कहा जाने लगा।

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा पी0एम0श्री विद्यालय, रेहरा, बसौनी विकास क्षेत्र नौगढ़ का किया गया औचक दौरा

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
जिलाधिकारी ने पी एम श्री विद्यायल का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ–सफाई ठीक नहीं पाया गया पी0एम0श्री विद्यालय में प्रस्ताव लेकर एमडीएम शेड निर्माण कराने का निर्देश दिया गया है जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को एमडीएम शेड निर्माणध जमीन चिन्हित कराने का निर्देश दिया तथा विद्यालय में साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें विद्यालय में 290 बच्चों का नामांकन है जिसमे 200 बच्चे उपस्थित थे जिलाधिकारी द्वारा पीटीएम रजिस्टर, निपुण तालिका, शिक्षक डायरी, साप्ताहिक आकलन ट्रैकर, मिड्डे मील रजिस्टर आदि को देखा गया निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका, शिक्षक डायरी, साप्ताहिक आकलन ट्रैकर, मिड्डे मील रजिस्टर व अन्य रजिस्टर अपडेट नहीं पाया गया जिसपर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये सभी रजिस्टर को समय से अपडेट करने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक अभय प्रताप सिंह का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित शिक्षक आस्था जायसवाल, अनुराधा शुक्ला का एक दिन वेतन काटने के साथ अनुशासनिक कार्यवाही करने का निर्देश दिया जिलाधिकारी द्वारा गेंहू के आटे की गुणवत्ता को चेक किया गया मिड्डे मील मीनू के अनुसार बना था विद्यालय में बच्चे जूता मोजा नहीं पहने थे, जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति शतप्रतिशत व बच्चे ड्रेस, जूता मोजा आदि अनिवार्य रूप में पहन कर आयें जिलाधिकारी द्वारा अभिभावको की नियमित बैठक कराने तथा बच्चों के अभिभावको को प्रेरित करें की जूता–मोजा आदि खरीद लें जिलाधिकारी ने सभी शिक्षको को निर्गत गाइड लाइन का पालन करने का निर्देश दिया जिलाधिकारी द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसौनी विकास क्षेत्र नौगढ़ में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षा कक्ष एवं प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कक्षा कक्ष का निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य की प्रगति कम होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्माण कार्य को समय से व गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया वही जिलाधिकारी द्वारा पी0एम0श्री कम्पोजिट विद्यालय, बसौनी विकास क्षेत्र नौगढ़ध में निर्मित अतिरिक्त कक्षा कक्ष का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान बिल्डिंग में पानी का रिसाव था फर्श जगह–जगह टूटा पाया गया बिल्डिंग की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाया गया जिलाधिकारी ने डीसी निर्माण बेसिक शिक्षा एवं एई0 डीआरडीए को बिल्डिंग की गुणवत्ता की जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी नौगढ़ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी, नौगढ़, व विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

विकास खंड शोहरतगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी अचानक निरीक्षण करनें पहुंचे

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार द्वारा विकास खण्ड शोहतरगढ़ कार्यालय परिसर का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय यशोवर्धन सिंह, खण्ड विकास अधिकारी, शोहरतगढ़, सहायक विकास अधिकारी–पंचायत, सहायक विकास अधिकारी आई0एस0बी0 सहित लेखाकार, वरिष्ठ सहायक, ए0पी0ओ0, लेखा सहायक, कम्प्यूटर आपरेटर आदि उपस्थित पाये गये कार्यालय के सभी पटल पर अभिलेखों का रखरखाव एवम पत्रावली का अवलोकन किया गया स्थापना पटल पर राम सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी, राम स्वरूप गुप्ता, ग्राम विकास अधिकारी सर्विस बुक, जी0पी0एफ0 पासबुक का अवलोकन किया गया उक्त कर्मचारियों की जी0पी0एफ0 पासबुक में विगत 03 माह का कोषागार बाउचर संख्या एवं दिनांक अंकित नही था, जिसे अंकित करने के निर्देश दिया गया जन शिकायत रजिस्टर, तहसील दिवस रजिस्टर एवं आर0टी0आई0 रजिस्टर का अवलोकन करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गये स्थापना पटल से सम्बन्धित अंधिकाश अभिलेख अपूर्ण पाये गये पटल सहायक को सचेत करते हुए निर्देशित किया गया कि 15 दिवस में उक्त अभिलेख पूर्ण कराना सुनिश्चित करें लेखा पटल, महात्मा गांधी नरेगा सेल का अवलोकन किया गया लेखा पटल का कार्य राकेश गौड़, सहायक लेखाकार द्वारा देखा जा रहा है राज्य वित्त केंद्रीय वित्त से कराए गए निर्माण कार्य की पत्रावली में नोटशीट पर एवम एमबी पर जे.ई. व सभी के नाम पदनाम सहित मुहर लगने के निर्देश दिया गया भुगतान के पूर्व सत्यापन कराने के निर्देश दिया गया मनेरगा सेल में ग्राम पंचायत अलीदापुर में परैया गांव से मेन रोड़ तक चकमार्ग पर मिट्टी कार्य की पत्रावली का अवलोकन किया गया सीआईबी सहित पूर्ण कार्य का फोटो नही लगा पाया गया मापन करने वाले एवं कार्य सत्यापित करने वाले अधिकारी का नाम एवं पदनाम सहित मुहर लगवाना के निर्देश दिये गये मनरेगा सेल में कार्ययोजना, एफ0टी0ओ0 रजिस्टर, कार्य रजिस्टर आदि का अवलोकन किया गया खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत निर्धारित 8.4.9 के मानक एवम सभी पत्रावली में आवश्यक चेक लिस्ट के अनुसार अभिलेख संरक्षित किया जाय राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन मे बी0एम0एम0 अनुपस्थित पाये गये। सहायक विकास अधिकारी आई0एस0बी0 को निर्देशित किया गया कि नोटिस निर्गत करते हुए अवगत करावें

जिलाधिकारी द्वारा लोटन–सोहांस सड़क मार्ग का किया गया दौरा

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
जिलाधिकारी द्वारा सोहास लोटन मार्ग का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा सड़क को खोदवाकर देखा गया सड़क गुणवत्ता ठीक पायी गयी जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग (प्रा0ख0) को निर्देश दिया कि बाढ़ से सड़क को बचाने हेतु सिंचाई विभाग/ लो0 नि0वि0 सयुंक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करे जिससे शासन को बोल्डर लगाने हेतु प्रस्ताव भेजा जा सके अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग (प्रा0ख0) ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि पानी के निकास हेतु छोटा पुल के निर्माण हेतु शासन में प्रस्ताव भेजा गया है जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सड़क पर जहां पर कटान हुआ है तत्काल उसे ठीक कराये।

ग्राम न्यायालय के प्रसार प्रसार के लिए इटवा तहसील के सभागार में आयोजित हुआ जागरूकता शिविर का आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा–निर्देश तथा माननीय जनपद एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में मनोज कुमार तिवारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीशध पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्घार्थनगर द्वारा ग्राम न्यायालय के प्रचार प्रसार हेतु विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन तहसील इटवा के सभाकक्ष में किया गया विशेष जागरूकता शिविर में उपजिलाधिकारी इटवा श्री मनोज कुमार भारती, नायब तहसीलदार इटवा राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, बार एसोशियसन इटवा के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार शर्मा, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव नामिका अधिवक्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता सन्तपाल सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता गजेन्द्र प्रताप सिंह तथा बार एसोशिएशन के विद्वान अधिवक्तागण तथा तहसील इटवा के आमजन उपस्थित रहे शिविर में वक्ता द्वारा उपस्थित आमजन को ग्राम न्यायालय (टपससंहम ब्वनतजे) उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में न्यायिक व्यवस्था को सुलभ और त्वरित बनाने के उद्देश्य से स्थापित किए गए हैं। यह न्यायालय मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे–मोटे विवादों को सुलझाने के लिए बनाए गए हैं, ताकि आम जनता को न्याय मिलने में समय और संसाधनों की बर्बादी न हो 2008 में भारतीय संसद द्वारा पारित श्ग्राम न्यायालय अधिनियमश (ळतंउ छलंलंसंलें ।बज) के तहत यह व्यवस्था लागू की गई उत्तर प्रदेश में यह अधिनियम प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाना है ग्राम न्यायालय का मुख्य उद्देश्य है ग्रामीण जनता को त्वरित और सस्ता न्याय प्रदान करना ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर लोग कानूनी प्रक्रियाओं से अनजान होते हैं और वे न्यायालय में जाकर अपने मामले की पैरवी करने में असमर्थ होते हैं इसके अलावा, वे महंगी और जटिल न्यायिक प्रक्रियाओं के कारण न्याय पाने से वंचित रहते हैं ग्राम न्यायालय इस समस्या का समाधान करता है और छोटे–मोटे दीवानी व आपराधिक मामलों को निपटाने का कार्य करता है इन न्यायालयों में सुनवाई के दौरान जटिल कानूनी प्रक्रिया की बजाय सुलभ और सरल भाषा का उपयोग किया जाता है, ताकि ग्रामीण जनता आसानी से समझ सके। उत्तर प्रदेश में ग्राम न्यायालय का नेतृत्व एक न्यायाधीश (न्यायाधीश को श्न्यायाधिकारीश कहा जाता है) करता है, जो सामान्यतः प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के स्तर का अधिकारी होता है साथ ही साथ शिविर में नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए कहा गया कि नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) का टोल फ्री नंबर 15100 नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा है यह नंबर विधिक सहायता, कानूनी सलाह और न्याय प्रणाली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध है कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर कॉल करके निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए सहायक है जो न्याय पाने में आर्थिक या अन्य कारणों से असमर्थ हैं।

इन्वेस्टर्स समिट द्वारा स्थापित राइस मिल का मुख्य विकास अधिकारी ने किया उद्घाटन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार द्वारा इन्वेट यू0पी0 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में निवेशदाता सन्दीप कुमार के साथ हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 के अनुसार तहसील–नौगढ़ के ग्राम पंचायत धेन्सानानकार में स्थापित मेसर्स सिद्धि विनायक ट्रेडर्स राइस मिल का उद्धाटन किया गया जिसमें अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0, उपायुक्त, उद्योग, लीड बैंक अधिकारी, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं उद्यमियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।जनपद सिद्धार्थनगर में वित्तीष वर्ष 2023 में आयोजित सन्दीप कुमार द्वारा इन्वेस्टर्स समिट में एमओयू सरकार के साथ हस्ताक्षरित किया गया था जिसमें 8 करोड़ रूपये के निवेश किया गया, जिससे 30 लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है यूनिट को इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से ऋण लेने में सहयोग किया गया तथा यूनिट को ए०आई०एफ० का लाभ

भी दिलाया जा रहा है यूनिट को शीघ्र ही एम०एस०एम०ई० पॉलिसी 2022 के अन्तर्गत अनुदान का लाभ दिलाया जायेगा

जिला बाल व संरक्षण समिति की हुई त्रैमासिक बैठक

बाल श्रम से मुक्त कराये गये पात्र बच्चों को स्पान्सरशीप योजनान्तर्गत कराया जाये लाभान्वित-एडीएम

सोनभद्र(आरएनएस)। जिलाधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी रोहित यादव की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत गठित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, बाल विवाह टास्क फोर्स एवं बाल कल्याण समिति के कार्यो की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिसमें मुख्यतः देखभाल एवं संरक्षण के जरूरतमंद वाले बालकों का चिन्हीकरण तथा उनके पुनर्वासन पर चर्चा हुइं। बैठक में प्रोवेशन अधिकारी प्रशासनिक इन्द्रावती देवी द्वारा पूर्व में की गई बैठक में जारी निर्देशों के अनुपालन के संबंध में बिंदुवार चर्चा की गयी।
इस दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा मिशन वात्सल्य योजना, देखभाल एवं संरक्षण वाले बच्चों के पुनर्वासन में सहायतित विशेष विधि (किशोर न्याय अधिनियम तथा पॉक्सो एक्ट) का अनुपालन, मुख्य मंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना, दत्तक ग्रहण तथा बाल देखरेख संस्थाओं में आवासित बच्चो के शिक्षा,सुरक्षा, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाने की स्थिति की समीक्षा की गई, स्पॉन्सरशिप योजनान्तर्गत पात्र सभी बच्चों को नियमानुसार लाभान्वित करने के निर्देश दियें गये, उन्होंने प्रोबेशन अधिकारी को जनपद में संचालित बाल संरक्षण संस्थाओं का समिति द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को बाल श्रम से मुक्त कराये गये बच्चों का नियमानुसार पुनर्वासन कराने तथा शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के भी निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्हांने ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण तथा ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों का नियमित रूप से बैठक कराने के निर्देश दियें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, जिला क्रिडा अधिकारी, एसीएमओ, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सुमन, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, अध्यक्षध्सदस्य बाल कल्याण समिति,संरक्षण अधिकारी, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर, प्रभारी विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक व गायत्री दुबे, जिला बाल संरक्षण इकाई, मण्डलीय तकनीकी रिसोर्स पर्सन–बाल संरक्षण यूनिसेफ, एवं चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट के स्टॉफ आदि उपस्थित रहे।

दुद्धी की ऐतिहासिक भरत मिलाप देख भावुक हुए नगरवासी

दुद्धी,सोनभद्र(आरएनएस)। स्थानीय संकटमोचन मंदिर प्रांगण में विजयादशमी के अगले दिन रविवार को विकास क्लब के सौजन्य से रामलीला कमेटी के कलाकारों द्वारा भरत मिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां भगवान श्रीराम 14 वर्ष के वनवास के बाद अपने अनुज भरत शत्रुघ्न से मिले। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोग भाईयों के मिलन की साक्षी बने। लोगों ने पुष्पवर्षा करके भगवान श्री राम और भरत के मिलन का स्वागत किया। प्रभु श्रीराम एवं भरत, लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न भाइयों का मिलाप देखते ही लोगों में खुशी की लहर दौड़ उठी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी भगवान श्रीराम का जयघोष करते हुए जयकारों से उनका स्वागत किया।इससे पूर्व भगवान श्रीराम की पूरी भव्यता के साथ रथ झांकी जुलूस निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुए संकटमोचन मंदिर तिराहा पहुंचा । भरत और श्री राम के मिलने के लिए भव्य व आकर्षण स्टेज सजाया गया । जहां पहुंचने के बाद दोनों भाईयों का मिलन समारोह का आयोजित किया गया।भरत मिलाप का कार्यक्रम शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया।पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह, कस्बा इंचार्ज महेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाएं हुए थे। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, पंकज जायसवाल, कन्हैया लाल अग्रहरि, देवेश मोहन, कमल कुमार कानू, चंद्रिका प्रसाद, भोला आढ़ती, सिविल बार के अध्यक्ष विष्णुकांत तिवारी, राकेश श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता के अलावा काफी संख्या में नगरवासियों की उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन अबिनाश वावा ने किया।

हर घर नल जल योजना से 4 साल बाद भी गांवों में नहीं पहुंच पाया पानी–आप

सोनभद्र(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल के नेतृत्व में जल जीवन मिशन अधिशाषी अभियंताध्मिशन संचालक को हर घर नल जल से संबंधित समस्याओं को लेकर सोमवार को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से और योगी आदित्यनाथ स्वयं सोनभद्र आकर 22 को फीता काटकर 2892 करोड़ के जल जीवन मिशन की शुभारंभ किया था और जनता को आश्वासन दिया था कि यह परियोजना मार्च 2024 तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगी। जिससे हर घर नल जल पहुंचेगा, लेकिन आज 4 साल बाद भी आधे गांवों में भी नल तक नहीं लग पाया है, कई क्षेत्र में पाइप बिछाने के लिए खुदाई हो रही है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को प्रशासन से धमकी मिलती हैं। रॉबर्ट्सगंज विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा हर घर नल जल के सप्लाई के समय में बदलाव होना चाहिए। जहां नल लगा है वहां भी कई नलों से दूषित पानी आने की सूचना मिली है। जहा पानी आ रहा वहा ऐसे समय पर आ रहा है, कभी 10 बजे कभी 11बजे, जब किसान मजदूर अपने कामों पर चले जाते है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों को विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन का भय दिखाया गया है। अगस्त माह में कई आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के घर तक पुलिस गई थी। आज के कार्यक्रम में जशवंत मौर्या संयुक्त जिला महासचिव, दिनेश मौर्या वि0स0 महासचिव, राजेश प्रधान, अनवर अली, परदेशी पटेल, नागेंद्र मौर्या, मनोज, सुरेंद्र पटेल, प्रेम नाथ कनौजिया आदि शामिल रहे

पत्थर की खदान में घायल अवस्था में मिली 13 वर्षीय किशोरी

डालाध्सोनभद्र(आरएनएस)। स्थानीय। थाना क्षेत्र के खदान में घायल अवस्था में 13 वर्षीय किशोरी मिली। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आरोप है कि पीड़िता के गांव के युवक ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की और असफल होने के बाद बंद पड़ी पत्थर खदान में ढकेल दिया। घटना की जानकारी होने के बाद नाबालिग किशोरी को अस्पताल मे इलाज के लिए ले जाया गया। तहरीर के आधार पुलिस अस्पताल में पीड़िता व परिजनों से मिलकर घटना का विवरण लिया। पुलिस ने बताया कि संदर्भित प्रकरण में पीड़िता के पिता द्वारा थाना चोपन पर मार–पीट की घटना के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी है। फिर भी घटना की गहनता से चोपन पुलिस जांच कर रही है सपरिजनों की माने तो घटना उस समय घटित हुई जब पीड़िता बीती रात ओबरा सेक्टर 09 से रामलीला देखकर घर लौट रही थी। खदान में गिरने से किशोरी के मुंह, हाथ समेत शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोटें आई है। सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने किशोरी को देखा और बाकी लोगों को घटना की जानकारी दी गई। घायल पीड़िता को प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया कुछ देर बाद डायल 112 के पहुंचने पर घायल किशोरी को चोपन सामुदायिक केंद्र भर्ती कराया गया। जहां घण्टों इलाज के बाद पीड़िता को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी होने पर सीओ सीटी चारु द्विवेदी ने पीड़िता का हाल जाना और नाबालिग किशोरी के परिजनों से बात की। सीओ ने बताया कि चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम बर्दिया में रहने वाले व्यक्ति ने सूचना दी कि उसकी लड़की खदान में बेहोशी की हालत में मिली है। जिसकी तहरीर प्राप्त हुई है। लड़की का मेडिकल कराया जा रहा है आवश्यक विधि कार्रवाई भी की जा रही है। लड़की के चेहरे पर चोट आई है लड़की कुछ बताने के काबिल नहीं है। 161 का बयान 164 का बयान दर्ज किया जाएगा। लड़की ओबरा के सेक्टर 9 में रामलीला देखकर वापस अपने घर रात में लौट रही थी गांव के रहने वाले युवक द्वारा घटना को अंजाम दिया गया लड़की अभी कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है लड़की का बयान लिया जाएगा अगर कुछ होता है तो धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी।

पैगंबर मुहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मनीष तिवारी पर मुकदमा दर्ज

डाला (सोनभद्र)(आरएनएस)। डाला भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने फेसबुक के माध्यम से पैगंबर मुहम्मद को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसमे उन्होंने दशहरा में रावण के दहन का विरोध करते हुए धर्म समुदाय विशेष के लोगों और पैगंबर मुहम्मद के पुतले दहन करने की बात लिखी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डाला चौकी प्रभारी की तहरीर पर चोपन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रशासन ने मामले की विवेचना और सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।